घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 216- रविवार 07- जून 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

शिक्षा मंत्री ने 5 दिन में इस्तीफा नहीं दिया तो शनिवार को फिर प्रदर्शन : अभिजीत दीपके

नई दिल्ली,06 जून 2026। नीट पेपर लीक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी,यानी कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया। पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि मंत्री 5 दिन के अंदर इस्तीफा दें,नहीं तो अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे।

सीजेआई को जंतर-मंतर पर शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति मिली थी, लेकिन करीब 3 बजे ही अभिजीत और सोनम वांगचुक धरनास्थल से रवाना हो गए थे। इसके बाद प्रदर्शन खत्म हो गया। अभिजीत सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे थे। यहां अभिजीत अंबेडकर की ऑटो बायोग्राफी और संविधान की कॉपी लेकर पहुंचे थे।

मंत्री के इस्तीफे के लिए 5 दिन की समय सीमा

अभिजीत ने कहा...कॉकरोच जनता पार्टी अपनी मांग पर अड़ी है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। उन्होंने धमेंद्र को इस्तीफे के लिए 5 दिन का अल्टीमेटम दिया है। अगर कॉकरोच जनता पार्टी की बात नहीं मानी जाती है,तो 13 जून को जंतर-मंतर पर दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा।

एनसीपी(एसपी) के महासचिव रोहित पवार का कॉकरोच जनता पार्टी को समर्थन,कहा...युवाओं का गुस्सा बढ़ रहा : एनसीपी(एसपी)के महासचिव रोहित पवार ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' को अपना समर्थन दिया। यह आंदोलन नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में हुई कथित गड़बड़ियों के खिलाफ किया जा रहा है। पवार ने कहा कि इस विरोध प्रदर्शन को मिल रहा भारी समर्थन यह दिखाता है कि देश के युवाओं में केंद्र सरकार की नीतियों और मुख्य परीक्षाओं में हुई कथित लापरवाही को लेकर गुस्सा बढ़ता जा रहा है।

सोनम वांगचुक प्रदर्शन में शामिल

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी शामिल हुए। उनके साथ कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका भी मौजूद थे। आशुतोष आईआईटी कानपुर से पास आउट हैं। वे पिछले साल लंदन से भारत लौटे हैं।

1000+ पुलिसकर्मी, दिल्ली बॉर्डर पर कड़ी सुरक्षा

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के मद्देनजर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, मुख्य रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और दिल्ली के बॉर्डर पॉइंट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। 1000 से ज्यादा पुलिस जवान पहले से तय पॉइंट्स पर तैनात किए गए थे। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में कानून व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी गई थी।

कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शन के दौरान 6 लोग हिरासत में

दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रदर्शन के समर्थकों और विरोधियों के बीच तनाव हो सकता है। इसी के चलते कुछ लोगों को एहतियाती हिरासत में लिया गया।

जंतर-मंतर पर हाई-वोल्टेज ड्रामा : 'हिट' लेकर पहुंचा शख्स

प्रदर्शन के दौरान जंतर-मंतर पर उस वक्त अजीबोगरीब और तनावपूर्ण स्थिति बन गई,जब एक अज्ञात शख्स 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध में हाथ में 'हिट' (कॉकरोच मारने वाला स्प्रे) लेकर पहुंच गया। इस हाई-वोल्टेज ड्रामे को देखते हुए वहां मौजूद प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा घेरे ने मुस्तैदी दिखाई और उस शख्स को तुरंत प्रदर्शन वाली जगह से खदेड़कर बाहर कर दिया।

सीबीएसई 12वीं की वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन की अंतिम तारीख बढ़ी

अब स्टूडेंट्स 7 जून तक अप्लाई कर सकेंगे

नई दिल्ली,06 जून 2026। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 12 वीं कक्षा के छात्रों के लिए परीक्षा उत्तर पुस्तिकाओं के रिवैल्यूएशन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। पहले यह तिथि 6 जून थी,जिसे छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए अब 7 जून (मध्यरात्रि) तक बढ़ा दिया गया है। बोर्ड ने शुक्रवार को इस संबंध में आधिकारिक जानकारी साझा की। सीबीएसई ने बताया कि 12वीं कक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाने का निर्णय छात्रों को प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय और सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है। इस साल,दो जून से शुरू हुए पोर्टल पर कई छात्रों ने लॉगइन और आवेदन प्रक्रिया में समस्याओं की शिकायत की थी। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि छात्र किसी भी परेशानी की स्थिति में सीधे मैसेज करके मदद प्राप्त कर सकते हैं। सीबीएसई के अनुसार, अब तक कुल 70,433 छात्रों ने रिवैल्यूएशन के लिए आवेदन किया है। इसमें 7,314 आवेदन अंकों के सत्यापन और 63,119 आवेदन पुनर्मूल्यांकन के लिए किए गए हैं।

अन्नामलाई के आंदोलन से 10 लाख लोग जुड़े

लॉन्चिंग के 10 घंटे के अंदर रजिस्ट्रेशन,समर्थन में तमिलनाडु बीजेपी उपाध्यक्ष ने भी इस्तीफा दिया

चेन्नई,06 जून 2026। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने अपने आंदोलन 'इधु नम्मा इयक्कम' को शुरुआत में ही बड़ा जनसमर्थन मिलने का दावा किया गया है। अन्नामलाई के अनुसार, आंदोलन शुरू होने के 10 घंटे के भीतर 10 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। अन्नामलाई ने इसे लोगों का आंदोलन बताते हुए कहा कि यह राज्य के भविष्य को लेकर साझा सोच और मिशन का प्रतीक है। उनका कहना है कि पहले इस आंदोलन को खड़ा किया जाएगा, कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा और बाद में इसे राजनीतिक पार्टी में बदला जाएगा। अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसकी चिट्ठी शुक्रवार को सामने आई। अन्नामलाई के समर्थन में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा- मैंने और कई भाजपा नेताओं ने अन्नामलाई का समर्थन करने का फैसला किया है।

हमारी पार्टी 2031 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी : अन्नामलाई

अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देने के बाद 5 जून को नई पार्टी बनाने की घोषणा की। सोशल मीडिया पर वीडियो मैसेज में कहा, 'आज हम अपना स्वतंत्र आंदोलन खड़ा कर रहे हैं। हमारी पार्टी तमिलनाडु में 2031 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी।' उन्होंने 'We The Leaders' नाम से नया प्लेटफॉर्म और wetheleader.org वेबसाइट भी लॉन्च की। इसके साथ ही कोयंबटूर में एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फॉर इथिक्स एंड पॉलिटिक्स संस्थान भी स्थापित करने की घोषणा की है। अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं।

ट्राले-पिकअप में टक्कर : 8 की मौत अस्थियां विसर्जित करने जा रहा था परिवार

चंडीगढ़,06 जून 2026। पंजाब के फाजिल्का में शनिवार को हुए सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। फिरोजपुर हाईवे पर सुबह साढ़े 5 बजे पिकअप और ट्राले की आमने-सामने टक्कर हो गई थी। हादसे में 9 लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए थे। गंभीर घायलों को इलाज के लिए फरीदकोट रेफर किया गया। मृतकों में पांच महिलाएं और एक दस साल का बच्चा भी शामिल है। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी फिरोजपुर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जलालाबाद के गांव मल्कज़ादे का परिवार अपने मृतक परिजन की अस्थियां विसर्जित करने के लिए डेरा ब्यास जा रहा था। पिकअप में परिवार और रिश्तेदारों समेत 25 से 30 लोग सवार थे। जब गाड़ी हुसैनशाह के पास पहुंची तो सामने से आ रहे ट्राले से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप बुरी तरह पिचक गई और पलटकर सड़क किनारे जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। राहगीरों और गांव वालों ने तुरंत पुलिस को हादसे की जानकारी दी और बचाव में जुट गए। तब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी थी। घायलों को फरीदकोट अस्पताल में दाखिल कराया गया है। तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि पिकअप की छत और फर्श के बीच में विभाजन कर लोगों को बैठाया गया था। गाड़ी के पीछे भी लकड़ी के फट्टे लगाकर उसे बढ़ाया गया था और एक सीढ़ी लगा दी गई थी। पिकअप के अंदर फंसे लोगों को निकालने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कई यात्रियों के मांस के टुकड़े अंदर ही अटक गए थे। कई फंसे लोगों को निकालने के लिए गाड़ी को कटर से काटा गया, तब उनके शव निकाले गए। पुलिस को पता लगा रही है कि ट्राला रांग साइड आ रहा था और चालक को नींद की झपकी आने से वह पिकअप में जा टकराया। हादसे के बाद आरोपी चालक फरार हो गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और घायलों और मृतकों की पहचान की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ की चर्चा

नई दिल्ली,06 जून 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएम-ईएसी) के सदस्यों के साथ बैठक की, जिसमें वैश्विक उथल-पुथल के दौर में भारत की आर्थिक वृद्धि को और गति देने के उपायों पर व्यापक चर्चा की गई। प्रधानमंत्री और परिषद के सदस्यों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न विचारों और नीतिगत उपायों पर विचार-विमर्श किया। इसके साथ ही आम नागरिकों के जीवन को अधिक सुगम बनाने तथा कारोबार करने में आसानी (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को बढ़ावा देने संबंधी सुधारों पर भी चर्चा हुई। बैठक में परिषद के सदस्यों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों का भी आकलन प्रस्तुत किया। ऊर्जा आपूर्ति,व्यापार,निवेश और वैश्विक आर्थिक स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर विचार साझा किए गए। सरकार का मानना है कि अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और दीर्घकालिक विकास के लिए सुधारों तथा निवेश को प्रोत्साहित करने की दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं।

आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बैठक के दौरान देश में सुधारों के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा हुई। परिषद के सदस्यों ने आम नागरिक के लिए जीवन की सुगमता और इंडस्ट्री के लिए कारोबारी सुगमता को और बेहतर बनाने से जुड़े अलग-अलग नीतिगत सुधारों पर विचार विमर्श हुआ।

ममता को एक ओर झटका टीएमसी के पांच पार्षद कांग्रेस में हुए शामिल

कोलकाता,06 जून 2026। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हारने के बाद टीएमसी में टूट पड़ चुकी है। एक ओर ममता बनर्जी के सामने पार्टी को बचाने की चुनौती है,वहीं दूसरी ओर नेता पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। इस बीच ममता को एक और बड़ा झटका लगा है, जब कूचबिहार जिले की मेखलीगंज नगर पालिका के अध्यक्ष और पांच पार्षदों ने पार्टी छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया है। इसके बाद नगर निकाय पर अब कांग्रेस का कब्जा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बंगाल के उत्तरी हिस्से में हुआ यह राजनीतिक घटनाक्रम टीएमसी के अंदर जारी उथल-पुथल और सिलसिलेवार दलबदल के बीच सामने आया है, जिसने राज्यभर में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को हिलाकर रख दिया है। 9 वार्ड वाली मेखलीगंज नगरपालिका पर टीएमसी का नियंत्रण था, जिसमें पार्टी के 8 और बीजेपी का एक पार्षद था। अब अध्यक्ष प्रभात पाटनी और पांच अन्य पार्षदों के पाला बदलने से कांग्रेस नगर पालिका में बहुमत में आ गई है।

FSSAI ने अखबार में खाना परोसने पर देशभर में रोक लगाई,कितना खतरनाक जानकर उड़ जाएंगे होश

मुंबई,06 जून 2026। भारत में समोसा,वड़ा पाव या पकौड़े बेचने वालों के लिए एक बड़ा बदलाव हुआ है। अब अगर किसी दुकानदार ने खाने की चीज को अखबार के कागज में लपेटा,तो उस पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने देशभर में समाचार पत्रों के इस्तेमाल पर तत्काल रोक लगा दी है। नियमों के उल्लंघन करने पर जेल भी हो सकती है।

इस फैसले की वजह मुंबई में सामने आई एक हालिया घटना है। यहां एक वड़ा पाव विक्रेता को ग्राहकों को अखबार में खाना पैक करके देते हुए पाया गया था। इसके बाद FSSAI की पश्चिमी क्षेत्र टीम और बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने संयुक्त कार्रवाई की। इसी घटना को देखते हुए अब सभी राज्यों के लिए सख्त निर्देश जारी कर दिए गए हैं। नए आदेश के मुताबिक, यह नियम छोटे ठेले वालों से लेकर बड़े होटल,क्लाउड किचन,कैटरर्स और फेरीवालों सभी पर लागू होगा। कोई भी दुकानदार अब भोजन को लपेटने के लिए अखबार का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। इसके अलावा,समोसे-पकौड़ों का अतिरिक्त तेल सोखने या खाने को ढकने के लिए भी अखबार का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

बंगाल को एक लाख करोड़ की सौगात...दिल्ली-सिलीगुड़ी बुलेट ट्रेन समेत 61 नई रेल परियोजनाओं का ऐलान

कोलकाता,06 जून 2026। पश्चिम बंगाल में रेल बुनियादी ढांचे को नई गति देने के उद्देश्य से केंद्र और राज्य सरकार ने लगभग एक लाख करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी रेल परियोजनाओं की घोषणा की है। इन योजनाओं में दिल्ली-सिलीगुड़ी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर, 102 अमृत भारत स्टेशन, 61 नई रेल परियोजनाएं, 538 फ्लाईओवर और अंडरपास तथा कोलकाता मेट्रो के बड़े विस्तार जैसे कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल हैं। इन परियोजनाओं की घोषणा शनिवार को नबान्न (राज्य सचिवालय) में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की उपस्थिति में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक के बाद की गई। बैठक में रेलवे और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। इसे राज्य में रेल विकास के लिए केंद्र और राज्य के बीच नए सहयोगात्मक दौर की शुरुआत माना जा रहा है। बैठक के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रस्तावित बुलेट ट्रेन कॉरिडोर दिल्ली को वाराणसी, पटना और सिलीगुड़ी से जोड़ेगा। परियोजना के पूरा होने पर उत्तर बंगाल और राष्ट्रीय राजधानी के बीच यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी और यह लगभग छह घंटे तक सीमित हो सकता है।

इससे क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पश्चिम बंगाल के 102 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इनमें से 10 स्टेशनों पर कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष स्टेशनों पर तेजी से काम किया जा रहा है। इसके अलावा राज्यभर में 538 फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण किया जाएगा, जिससे रेलवे क्रॉसिंग पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। रेल मंत्रालय ने 61 नई रेल परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के माध्यम से करिमपुर,जालंगी,लालगढ़,गोपी बल्लभपुर,नयाग्राम,हीली,सागर द्वीप और सुंदरबन जैसे क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की योजना है, जो लंबे समय से बेहतर रेल संपर्क की मांग कर रहे हैं। कोलकाता मेट्रो नेटवर्क के विस्तार को भी इस पैकेज में प्रमुखता दी गई है।

अगले पांच वर्षों में मेट्रो के लिए 60 नई पीढ़ी की ट्रेनों को शामिल किया जाएगा, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं और अधिक क्षमता उपलब्ध होगी। साथ ही डानकुनी से सूरत तक प्रस्तावित ईस्ट-वेस्ट डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर भी चर्चा हुई, जिसे औद्योगिक विकास और माल परिवहन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

संपादकीय

सस्ती साबित की जाती है नागरिकों की जान

साल 2009 की बात है। ब्रिटेन के आक्सफोर्ड में 16 साल के एक स्कूली छात्र ने आत्महत्या की कोशिश से कुछ मिनट पहले फेसबुक पर लिखा,मैं अब बहुत दूर जा रहा हूं। अमेरिका में बैठी उसकी फेसबुक मित्र ने इस संदेश को पढ़ा तो उसने तत्काल अपनी मां को बताया। मां ने आनन-फानन में मैरीलैंड पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने व्हाइट हाउस के स्पेशल एजेंट से संपर्क साधा और उसने फौरन वाशिंगटन में ब्रिटिश दूतावास के अधिकारियों से। उन्होंने ब्रिटेन की मेट्रोपालिटन पुलिस से संपर्क किया और चंद मिनट बाद छात्र के घर का पता लगाकर पुलिस उसके घर जा पहुंची। जब तक वह घर के भीतर दाखिल हुई, छात्र नींद की बहुत अधिक गोलियां खा चुका था। वह बेहोश पड़ा था। पुलिसकर्मियों ने कुछ ही पलों में उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी जान बच गई।

उक्त किस्सा बताता है कि यूरोप-अमेरिका में इंसान का जीवन कितना अनमोल है और सिर्फ एक ज़िंदगी बचाने के लिए कैसे एजेंसियां ज़मीन-आकाश एक कर देती हैं,लेकिन दुर्भाग्य से भारत में मौत सिर्फ एक आंकड़ा है। दिल्ली के मालवीय नगर में होटल में आग से 21 लोगों की मौत ने एक बार फिर यह बात साबित की। प्रारंभिक जांच में फिर वही लापरवाहियां सामने आई हैं,जो लगभग हर अग्निकांड के बाद सामने आती हैं। उदाहरण के लिए होटल के पास सिर्फ छह कमरे बनाने की अनुमति थी, लेकिन 25 कमरे बनाए गए। होटल के पास अनिवार्य फायर एनओसी तक नहीं थी। इमारत में प्रवेश और निकास का सिर्फ एक दरवाजा था और कोई आपातकालीन द्वार नहीं था। इस हादसे में कई विदेशी भी मारे गए हैं।

विडंबना यह कि किसी हादसे से सीख नहीं ली जाती। बीते साल दिसंबर में गोवा नाइटक्लब में अग्निकांड हुआ,जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी। वह हादसा हाल के वर्षों का सबसे बड़ा सिस्टम फेलियर केस माना जाता है। इस अग्निकांड की मजिस्ट्रियल जांच में सामने आया था कि क्लब अवैध निर्माण पर चल रहा था,फायर एनओसी नहीं था,पर्याप्त आपातकालीन निकासी द्वार नहीं थे,स्प्रिंकलर सिस्टम नहीं था और फायर अलार्म सिस्टम तक नहीं था। रिपोर्ट के ये निष्कर्ष इस तरह के लगभग हर अग्निकांड के बाद सामने आते हैं, जो साफ तौर पर नियामकीय विफलता दिखाते हैं। आग की घटनाओं के संदर्भ में तो निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि भारत में लोग आग से कम,आग लगने से पहले की गई अनदेखी से ज्यादा मरते हैं। भारत में कई मामलों में मौत यहां कोई असाधारण घटना नहीं,बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था का एक नियमित परिणाम है। दिल्ली के जनकपुरी में एक युवक सड़क पर खोदे गए गड्ढे में गिर जाता है। घंटों तक मदद नहीं मिलती और उसकी मौत हो जाती है। नोएडा में एक इंजीनियर की कार खुले नाले में जा गिरती है। उसकी मौत के बाद सुरक्षा प्रबंधों तथा प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर सवाल उठते हैं। दिल्ली के राजेंद्र नगर की एक इमारत के बेसमेंट में चल रहे कोचिंग सेंटर में पानी भरने से तीन छात्र डूबकर मर जाते हैं। इस तरह के सैकड़ों उदाहरण हैं,लेकिन प्रशासनिक विफलता की कहानी वही रहती है।

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि 2015 से 2020 के बीच खुले गड्ढों और मैनहोल में गिरकर 5,393 लोगों की मौत हुई। यानी औसतन हर दिन दो भारतीय ऐसी मौत मरते हैं,जो पूरी तरह रोकी जा सकती थीं। सवाल यह है कि गड्ढे खुले क्यों थे और उनके आसपास आवश्यक सुरक्षा इंतज़ाम क्यों नहीं थे? भारत में हर बड़े हादसे के बाद एक तयशुदा पटकथा चलती है। जांच के आदेश दिए जाते हैं। मुआवजे की घोषणा होती है। कुछ अधिकारियों का तबादला होता है। फिर अगला हादसा हो जाता है। दुखद यह है कि भारत में मौतें अक्सर किसी एक व्यक्ति की गलती से नहीं होतीं। वे कई संस्थाओं की संयुक्त विफलता से होती हैं। ठेकेदार लापरवाह होता है,विभाग आंखें मूंद लेता है, निरीक्षण औपचारिकता बन जाता है और राजनीतिक व्यवस्था केवल हादसे के बाद सक्रिय होती है। परिणामस्वरूप नागरिक मरता है और तंत्र सिर्फ प्रेस कांफ्रेंस करता है। एक स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान केवल चुनाव नहीं होती। उसकी पहचान यह होती है कि वह अपने नागरिकों को कितनी सुरक्षा देता है। जिस देश में लोग गड्ढों,मैनहोल,सीवरों,आग,भगदड़ और खराब सड़कों से मर रहे हों,वहां विकास के दावों की चमक थोड़ी फीकी पड़ जाती है।

एक कड़वा सच यह भी है कि भारत में नागरिकों को भी इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि कहीं कानून का उल्लंघन हो रहा है,तो उस जगह से दूरी बनाएं। इतना ही नहीं,कई जगह वे खुद भी कानून का उल्लंघन करने से नहीं हिचकते। मसलन,हमारे देश में हर साल लगभग 1.8 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर जाते हैं। इनमें से करीब 30 हजार लोग सिर्फ इसलिए मरते हैं क्योंकि उन्होंने हेलमेट नहीं पहना होता। देश की विशाल आबादी उसकी सबसे बड़ी ताकत भी है और शायद संवेदनहीनता का कारण भी। बड़ी आबादी ने जान की कीमत को इतना कम कर दिया है कि न नागरिकों को और न सिस्टम को समझ आता है कि जीवन अनमोल है। एक विकसित समाज की नैतिकता का बड़ा पैमाना यह भी है कि वह अपने सबसे साधारण नागरिक की जान को कितनी अहमियत देता है। दुर्भाग्य से भारत बार-बार यह संदेश दे रहा है कि यहां मौत सस्ती है और जवाबदेही उससे भी सस्ती।

व्यूज बटोरने को रोज रचे जा रहे ड्रामे

सोशल मीडिया पर बढ़ती सनसनी,स्क्रिप्टेड विवाद और दर्शकों की जिम्मेदारी

डॉ.सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

डिजिटल क्रांति ने संचार और अभिव्यक्ति की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। आज एक स्मार्टफोन और इंटरनेट कनेक्शन के सहारे कोई भी व्यक्ति अपने विचार,प्रतिभा और अनुभव दुनिया के सामने रख सकता है। यूट्यूब,इंस्टाग्राम,फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया मंचों ने लाखों लोगों को पहचान, रोजगार और लोकप्रियता प्रदान की है। यह एक सकारात्मक परिवर्तन है जिसने पारंपरिक मीडिया के एकाधिकार को तोड़ा और आम नागरिक को भी अभिव्यक्ति का अवसर दिया। लेकिन इस परिवर्तन के साथ कुछ ऐसी प्रवृत्तियाँ भी विकसित हुई हैं जो चिंता का विषय बनती जा रही हैं। इनमें सबसे प्रमुख है–व्यूज़,लाइक्स और फॉलोअर्स की अंधी दौड़।

आज सोशल मीडिया पर सफलता का पैमाना अक्सर सामग्री की गुणवत्ता नहीं, बल्कि उसकी लोकप्रियता बन गया है। किसी वीडियो को कितने लोगों ने देखा,उस पर कितनी टिप्पणियाँ आईं और उसे कितनी बार साझा किया गया, यही उसकी सफलता का आधार माना जाता है। इस वातावरण में कुछ कंटेंट निर्माता दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसे तरीकों का सहारा लेने लगे हैं जो वास्तविकता से अधिक नाटक और सनसनी पर आधारित होते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया पर ऐसे अनेक वीडियो वायरल हुए हैं जिनमें कथित झगड़े, पारिवारिक विवाद, मित्रों के बीच टकराव, रिश्तों में दरार, सार्वजनिक बहस या भावनात्मक घटनाएँ दिखाई जाती हैं। कई बार ये घटनाएँ इतनी नाटकीय प्रतीत होती हैं कि दर्शकों के मन में स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा होता है। ऐसा लगता है कि जैसे पूरा घटनाक्रम पहले से तय हो, संवाद लिखे गए हों और कैमरे केवल उस पटकथा को रिकॉर्ड करने के लिए लगाए गए हों।

अक्सर देखा जाता है कि कथित विवाद ठीक कैमरे या सीसीटीवी की मौजूदगी में घटित होता है। पात्र बार-बार कैमरे की ओर देखते हैं,घटनाएँ एकदम फिल्मी अंदाज़ में आगे बढ़ती हैं और अंत में वीडियो वायरल हो जाता है। दर्शक सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि क्या यह वास्तव में अचानक हुई घटना थी या फिर लोकप्रियता हासिल करने के लिए रचा गया एक सुनियोजित नाटक? सोशल मीडिया की आर्थिक संरचना इस प्रवृत्ति को समझने में मदद करती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ध्यान ही सबसे बड़ी पूँजी है। जितने अधिक लोग किसी सामग्री को देखेंगे,उतनी अधिक उसकी पहुँच होगी और उतना ही अधिक आर्थिक लाभ उससे जुड़ सकता है। विज्ञापन,ब्रांड सहयोग,प्रायोजन और अन्य व्यावसायिक अवसर लोकप्रियता के साथ बढ़ते हैं। ऐसे में कुछ लोग यह मान बैठते हैं कि यदि विवाद से व्यूज़ बढ़ते हैं तो विवाद पैदा करना ही सबसे आसान रणनीति है।

यही कारण है कि कई बार वास्तविक रचनात्मकता पीछे छूट जाती है और उसकी जगह कृत्रिम ड्रामा ले लेता है। ज्ञानवर्धक सामग्री तैयार करने,शोध करने या उपयोगी जानकारी प्रस्तुत करने में समय और मेहनत लगती है। इसके विपरीत,एक विवादास्पद वीडियो या सनसनीखेज घटना कुछ ही घंटों में लाखों लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकती है। परिणामस्वरूप कुछ कंटेंट निर्माता आसान रास्ता चुन लेते हैं।

इस प्रवृत्ति का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। किशोर और युवा सोशल मीडिया के सबसे सक्रिय उपभोक्ता हैं। जब वे देखते हैं कि विवाद,झगड़े और सनसनी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं,तो उनके मन में यह धारणा बन सकती है कि सफलता का

मार्ग प्रतिभा,मेहनत और ज्ञान नहीं, बल्कि ध्यान आकर्षित करने वाली गतिविधियाँ हैं। यह सोच समाज के लिए दीर्घकालिक रूप से नुकसानदेह साबित हो सकती है।

सोशल मीडिया पर बढ़ता यह नाटकीयकरण केवल मनोरंजन का प्रश्न नहीं है, बल्कि सामाजिक मूल्यों से भी जुड़ा हुआ है। जब कृत्रिम विवाद चर्चा का केंद्र बन जाते हैं,तब शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण,रोजगार,विज्ञान और सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण विषय हाशिए पर चले जाते हैं। समाज का सामूहिक ध्यान उन मुद्दों से हटकर उन घटनाओं पर केंद्रित हो जाता है जिनका वास्तविक जीवन से बहुत कम संबंध होता है।

हालाँकि यह भी सच है कि हर वायरल वीडियो या सार्वजनिक विवाद को बिना प्रमाण स्क्रिप्टेड नहीं कहा जा सकता। वास्तविक जीवन में भी मतभेद होते हैं, रिश्तों में तनाव आता है और सार्वजनिक घटनाएँ घटित होती हैं। कैमरों की बढ़ती उपलब्धता के कारण अनेक वास्तविक घटनाएँ रिकॉर्ड भी हो जाती हैं। इसलिए किसी भी वीडियो के बारे में निष्कर्ष निकालते समय संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। केवल अनुमान के आधार पर किसी व्यक्ति या समूह को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। लेकिन जब बार-बार एक जैसे पैटर्न दिखाई दें,जब हर विवाद वायरल होने की क्षमता से भरपूर हो,जब हर झगड़ा कैमरे के सामने ही घटित हो और जब संबंधित लोग बाद में उस विवाद से आर्थिक या सामाजिक लाभ प्राप्त करते दिखाई दें,तब प्रश्न उठना स्वाभाविक है। लोकतांत्रिक समाज में प्रश्न पूछना और तथ्यों की पड़ताल करना दर्शकों का अधिकार भी है और जिम्मेदारी भी।

यहीं मीडिया साक्षरता का महत्व सामने आता है। आज केवल साक्षर होना पर्याप्त नहीं है,बल्कि डिजिटल साक्षर होना भी आवश्यक है। लोगों को यह समझना चाहिए कि सोशल मीडिया की सामग्री कैसे तैयार होती है, एल्गोरिद्म किस प्रकार काम करते हैं और कौन-से तत्व किसी सामग्री को वायरल बनाते हैं। यदि दर्शक इन प्रक्रियाओं को समझेंगे, तो वे सनसनी और वास्तविकता के बीच अंतर करने में अधिक सक्षम होंगे।

यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म्स की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि उनके एल्गोरिद्म केवल उन सामग्रियों को बढ़ावा देंगे जो अधिक विवादास्पद और उत्तेजक हैं,तो कंटेंट निर्माता भी उसी दिशा में बढ़ेंगे। प्लेटफॉर्म्स को ऐसी नीतियाँ विकसित करनी चाहिए जो ज्ञान, रचनात्मकता,सामाजिक उपयोगिता और सकारात्मक संवाद को प्रोत्साहित करें। स्वस्थ डिजिटल संस्कृति तभी विकसित हो सकती है जब गुणवत्ता को लोकप्रियता के बराबर महत्व मिले।

दर्शकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अंततः वही तय करते हैं कि कौन-सी सामग्री सफल होगी। हर व्यू,हर लाइक और हर शेयर एक प्रकार का समर्थन है। यदि लोग केवल विवादों और ड्रामों को देखेंगे,तो ऐसे कंटेंट की संख्या स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी। लेकिन यदि वे शोधपूर्ण, रचनात्मक और उपयोगी सामग्री को प्राथमिकता देंगे,तो डिजिटल दुनिया का स्वरूप भी बदल सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सोशल मीडिया को केवल मनोरंजन का साधन न मानें,बल्कि एक सामाजिक शक्ति के रूप में देखें। यह शक्ति सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है,लोगों को शिक्षित कर सकती है और समाज में सार्थक संवाद को बढ़ावा दे सकती है। लेकिन यदि इसका उपयोग केवल सनसनी और लोकप्रियता की दौड़ तक सीमित रह गया, तो यह अविश्वास, भ्रम और सतहीपन को बढ़ावा देगा।

कंटेंट निर्माताओं को भी यह समझना होगा कि दर्शकों का विश्वास उनकी सबसे बड़ी पूँजी है। अल्पकालिक लोकप्रियता के लिए कृत्रिम विवादों का सहारा लेना आसान हो सकता है,लेकिन दीर्घकालिक सम्मान केवल ईमानदारी, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से ही प्राप्त होता है। जो रचनाकार अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर आगे बढ़ते हैं, उनकी पहचान समय के साथ और अधिक मजबूत होती जाती है।

अंततः प्रश्न केवल इतना नहीं है कि कोई वीडियो वास्तविक है या स्क्रिप्टेड। वास्तविक प्रश्न यह है कि हम किस प्रकार की डिजिटल संस्कृति का निर्माण करना चाहते हैं। क्या हम ऐसी दुनिया चाहते हैं जहाँ सच,ज्ञान और रचनात्मकता को महत्व मिले,या ऐसी दुनिया जहाँ हर चीज़ केवल व्यूज़ और फॉलोअर्स की कसौटी पर परखी जाए? इस प्रश्न का उत्तर किसी एक यूट्यूबर, किसी एक प्लेटफॉर्म या किसी एक सरकार के पास नहीं है। इसका उत्तर हम सबके पास है–क्योंकि डिजिटल दुनिया में दर्शक ही सबसे बड़ा निर्णायक होता है। जिस दिन दर्शक सनसनी से अधिक सार्थकता को महत्व देने लगेंगे, उसी दिन व्यूज़ बटोरने के लिए रचे जाने वाले रोज़मर्रा के ड्रामों की चमक स्वतः फीकी पड़ जाएगी।

मेरी डायरी के ये गर्द-आलूद,अफसुर्दा पन्ने और उनमें हर सतर में सांस लेती तुम्हारी यादें..

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा,मध्य प्रदेश

आज फिर मैंने इन्हें पलटा,तो लगा जैसे गुजरे हुए कल का कोई ज़ख्म फिर से हरा हो गया हो। मुझे इस हकीकत से भला कब इंकार रहा है कि तुम कभी मेरी धड़कनों का तरन्नुम, मेरी नब्जों की रवानगी और मेरी सांसों का संगीत बन चुके थे। उन दिनों–जब वक्त हमारी मुट्ठी में था–मैं किस शिद्दत, किस दीवानगी से तुम्हारी मोहब्बत में मुब्तिला रहा करता था,इसका गवाह मेरा खुदा है। तुम मेरे अहसासात पर, मेरी सोच पर,मेरी सुबह और मेरी शाम पर इस तरह हावी रहते थे कि मुझे अपने वजूद तक का होश न था। मैं तो उन सुनहरे लम्हात को, तुम्हारी उन कटीली निगाहों को और बातों के उस सिलसिले को चाह कर भी फरामोश न कर सका। मगर मुझे तुमसे एक गिला है,एक गहरी शिकायत है...क्या तुमने उन तमाम हसीन पलों को इतनी बेदर्दी और आसानी से भुला दिया? क्या तुम्हारे दिल के किसी कोने में उस गुजरे जमाने की कोई टीस बाकी नहीं रही? तुम्हारे बगैर मेरी यह जिंदगी आज भी एक मुस्तकिल खामोशी, एक गहरे सन्नाटे और बेइंतहा तन्हाई का मस्कन बनी हुई है। वक्त ठहर सा गया है, और यह अधूरापन अब शायद ता-उम्र कभी मुकम्मल न हो सकेगा।

मैं आज भी, जिंदगी के इस मोड़ पर भी, दिल की अताह गहराइयों से तुम्हें उसी शिद्दत से चाहता हूँ। मोहब्बत कम नहीं हुई, बल्कि वक्त के साथ इसकी तड़प और बढ़ गई है। कभी-कभी जब रात का सन्नाटा गहराता है और तन्हाई हद से बढ़ने लगती है, तो मेरे वीरान दिल में तुम्हारा ख्याल अंगड़ाई लेता है। पहले तो तुम्हारी यादों की वह शबनमी ठंडक मेरे जहन को अपनी आगोश में लेकर एक सुकून का अहसास दिलाती है, मगर अगले ही पल वह ठंडक हिज्र (जुदाई) की सुलगती हुई आंच बन जाती है, जो मेरे वजूद को, मेरी रूह को अंदर तक जख्मी कर देती है। यह जुदाई का दर्द वो जहर है जिसे मैं रोज कतरा-कतरा पीता हूँ।

मैं इस हकीकत से भी बाखबर हूँ कि जिंदगी ख्वाबों की सेज नहीं, बल्कि एक सख्त राहगुजार है। यह एक ऐसी बेदर्द हकीकत है जहां कदम-कदम पर मसाइल (समस्याओं) और दुनिया की बंदिशों से दो-चार होना पड़ता है। इन गर्दिशों से, जमाने के तानों से न तो आंखें चुराई जा सकती हैं और न ही इन से फरार मुमकिन है। यह सच है कि तुम्हें पाना महज़ एक ख्वाब था, एक ऐसी हसरत थी जो कभी पूरी न हो सकी। लेकिन न जाने क्यों, इस दिल की जिद और इन ख्वाबों की ताबीरें मुझे तुम्हारी मोहब्बत के हिसार (दायरे) से आजाद होने ही नहीं देतीं। मैं आज भी उसी कैद में खुश हूँ।

देखो न! वक्त कितनी बेरहमी से रेत की तरह हाथों से फिसल गया। आज जब मैं आईने के सामने खड़ा होता हूँ,तो कनपटी पर चांदी के तार (सफेद बाल) साफ नुमाया नजर आते हैं। यह ढलती उम्र,यह सफेद होते बाल चीख-चीख कर कह रहे हैं कि हाल बदल चुका है,जवानी का वो दौर बीत चुका है। मगर इस दिल के पागलपन का आलम तो देखो! तुम्हारा चेहरा आज भी मेरे तसव्वुर के आईने में उतना ही शादाब, उतना ही ताजा और हसीन नजर आता है, जैसे तुम आज भी हाथों में किताबें थामे, वही मासूमियत ओढ़े कॉलेज के लिए निकलने वाली हो। वक्त ठहर गया है तुम्हारे चेहरे पर, और मैं बूढ़ा हो रहा हूँ तुम्हारी याद में। अफसोस सद अफसोस! कि अब तुम्हारी एक अदद झलक भी मुझे मयस्सर नहीं। किस्मत ने हमें इस मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां हम एक ही आसमान के नीचे रहकर भी एक-दूसरे के लिए अजनबी हैं। उफ्फ मेरे अल्लाह! इस सीने में किस कदर करब, कितनी घुटन और दर्द का दरिया मौजजन है, मैं बयान नहीं कर सकता। मैं तो इस खुशफहमी में जी रहा था कि दुनिया के सारे कड़े मरहलों को, मजहब और समाज की तमाम दीवारों को पार करके आखिरकार एक दिन तुम्हें पा ही लूंगा।

भारत की पवित्र भूमि ने पूरा किया प्रकृति के गुर्दों का महत्त्वपूर्ण शतक

दुर्गेश्वर राय,गोरखपुर,उत्तरप्रदेश

क्या आपने कभी सोचा है कि अगर हमारी इस सुंदर और हरी-भरी धरती के पास अपने गुर्दे न होते,तो हमारी नदियाँ, हमारा पानी और हमारी साँसें कितनी जहरीली हो चुकी होतीं? कंक्रीट के जंगलों और अनियंत्रित विकास की अंधी दौड़ के बीच,प्रकृति चुपचाप अपने इन अनोखे गुर्दों के सहारे पूरी मानवता का बोझ उठा रही है। 5 जून 2026 को, जब पूरी दुनिया विश्व पर्यावरण दिवस के जश्न में डूबी थी,तब भारत ने प्रकृति के संरक्षण का एक ऐसा महाशतक पूरा किया, जिसने वैश्विक पर्यावरण मंच पर तिरंगे का गौरव और बढ़ा दिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में स्थित ऐतिहासिक सुरहा ताल,जिसे आज हम जयप्रकाश नारायण पक्षी अभ्यारण्य के नाम से जानते हैं,को भारत की 100वीं रामसर साइट घोषित किया गया है। क्रिकेट के मैदान पर बल्लेबाजों को शतक बनाते तो आपने कई बार देखा होगा, लेकिन प्रकृति के आंगन में लगा यह शतक भारत के सुनहरे और सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक युगांतकारी मील का पत्थर है।

यह समझना बेहद जरूरी हो जाता है कि आखिर यह रामसर साइट्स क्या बला हैं और क्यों इन्हें बचाने के लिए पूरी दुनिया के वैज्ञानिक और अर्थशास्त्री एक सुर में आवाज उठा रहे हैं। आसान और व्यावहारिक शब्दों में कहें तो रामसर साइट अंतरराष्ट्रीय महत्व की एक विशेष आर्द्रभूमि या वेटलैंड होती है। आर्द्रभूमि का मतलब सीधे तौर पर ऐसी दलदली या नमी वाली जमीन से है जहां पानी स्थाई या अस्थाई रूप से हमेशा जमा रहता है। इसमें गहरे दलदल,पीट-भूमि यानी ऐसी मिट्टी जहां हजारों साल से पेड़-पौधे आंशिक रूप से सड़कर कार्बन का खजाना बन चुके हैं,शांत झीलें, छोटे-बड़े तालाब और समंदर के किनारों पर लहरों को थामने वाले मैंग्रोव वन शामिल हैं। जब किसी आर्द्रभूमि को रामसर साइट का तमगा मिलता है,तो उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष सुरक्षा कवच मिल जाता है। सरकारी और वैज्ञानिक मापदंडों के अनुसार हर पानी वाले क्षेत्र को इसमें नहीं गिना जा सकता। उदाहरण के लिए, तेज बहती नदियों के मुख्य रास्ते, किसानों के धान के लहलहाते खेत या इंसानों द्वारा बनाई गई कृत्रिम पानी की टंकियों को इसके अंतर्गत शामिल नहीं किया जाता।

इस वैश्विक संरक्षण अभियान की जड़ें इतिहास के पन्नों में बहुत गहरी और बेहद दिलचस्प हैं। इस कहानी की शुरुआत भारत से हजारों मील दूर ईरान के कैस्पियन सागर के तट पर स्थित एक बेहद खूबसूरत और शांत शहर रामसर से होती है। बात 2 फरवरी 1971 की है, जब दुनिया के तमाम दूरदर्शी देशों ने इन दम तोड़ती आर्द्रभूमियों को बचाने के लिए एक ऐतिहासिक अंतर-सरकारी संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इसी शहर के नाम पर इस पूरी व्यवस्था को रामसर कन्वेंशन कहा गया। यह अनोखी संधि साल 1975 में पूरी तरह से दुनिया भर में प्रभावी हुई और देखते ही देखते आज इसके सदस्यों की संख्या 172 तक पहुँच चुकी है। भारत ने पर्यावरण के प्रति अपनी प्राचीन सांस्कृतिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए 11 साल बाद यानी 1 फरवरी 1982 को इस वैश्विक परिवार में औपचारिक रूप से कदम रखा था।

भारत को 100 वें स्थान पर पहुंचाने वाली उत्तर प्रदेश की सुरहा ताल झील अपने आप में कुदरत का एक अद्भुत करिश्मा है। करीब 3,432 हेक्टेयर के विशाल क्षेत्र में फैली यह झील एक ऑक्सबो लेक यानी गोखुर झील है। जब कोई बड़ी नदी अपनी मदमस्त चाल में बहते हुए अचानक अपना रास्ता बदल लेती है,तो उसका छूटा हुआ टेढ़ा-मेढ़ा हिस्सा एक सुंदर झील का रूप ले लेता है,जिसका आकार गाय के खुर जैसा दिखाई देता है। जब कड़ाके की ठंड में साइबेरिया और मध्य एशिया के बर्फीले मैदानों में जीवन मुश्किल हो जाता है, तब वहां के रंग-बिरंगे विदेशी मेहमान पक्षी हजारों किलोमीटर की थका देने वाली हवाई यात्रा तय करके इस सुरहा ताल की गोद में अपना आशियाना बनाते हैं।

आर्द्रभूमियाँ धरती के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। भले ही पूरी दुनिया के कुल क्षेत्रफल का मात्र 6 प्रतिशत हिस्सा ही इन वेटलैंड्स के पास है, लेकिन आपको यह जानकर हैरत होगी कि दुनिया की 40 प्रतिशत से अधिक वन्यजीव और वनस्पतियों की प्रजातियाँ इन्हीं दलदली और नमी वाले इलाकों में फलती-फूलती हैं। इन्हें धरती का गुर्दा इसलिए कहा जाता है क्योंकि जैसे हमारे शरीर के गुर्दे खून को छानकर साफ करते हैं, ठीक वैसे ही ये आर्द्रभूमियाँ प्रदूषित पानी के बहाव को धीमा करके उसमें घुले जहरीले रसायनों, कचरे और तलछट को नीचे बैठा देती हैं,जिससे हमें शुद्ध और साफ भूमिगत जल मिलता है। इसके अलावा, ये सुपर कार्बन सिंक का काम करती हैं। ग्लोबल वार्मिंग के इस दौर में जहां बड़े-बड़े जंगल कार्बन सोखने में हाँफ रहे हैं,वहीं इन साइट्स की पीटलैंड मिट्टी सामान्य जंगलों की तुलना में कहीं अधिक तेजी और कुशलता से वातावरण से खतरनाक कार्बन डाइऑक्साइड को सोखकर अपने भीतर कैद कर लेती है। इतना ही नहीं, मानसून के दिनों में जब नदियाँ उफान पर होती हैं,तब ये आर्द्रभूमियाँ एक विशाल प्राकृतिक स्पंज की तरह काम करते हुए अतिरिक्त पानी को सोख लेती हैं,जिससे रिहायशी इलाके तबाही से बच जाते हैं। वहीं, तटीय इलाकों में खड़े मैंग्रोव वन समंदर से उठने वाले विनाशकारी चक्रवातों और सुनामी की लहरों की छाती पर दीवार बनकर खड़े हो जाते हैं।

पर्यावरणविदों के साथ-साथ आज दुनिया के बड़े-बड़े अर्थशास्त्री भी रामसर साइट्स की आर्थिक ताकत को सलाम करते हैं। ग्लोबल वेटलैंड आउटलुक की रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुनिया भर की ये आर्द्रभूमियाँ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हर साल लगभग 39 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की बेमिसाल आर्थिक सेवाएं प्रदान करती हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में भी इनका योगदान अतुलनीय है। भारत की अधिकांश रामसर साइट्स स्थानीय स्तर पर करोड़ों लोगों की आजीविका का सबसे बड़ा सहारा हैं। चाहे वह बड़े पैमाने पर होने वाला मछली पालन हो, जलीय पौधों पर आधारित कृषि हो जैसे मखाने और सिंघाड़े की खेती, या फिर दूर-दूर से आने वाले सैलानियों के माध्यम से होने वाली ईको-टूरिज्म की कमाई। ये सभी सीधे तौर पर देश के ग्रामीण और तटीय इलाकों की अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हैं।

यदि भारत में रामसर साइट्स के सफर और इसके भूगोल पर नजर डालें, तो साल 1982 में जब भारत इस मिशन से जुड़ा, तब ओडिशा की विशाल और प्रसिद्ध चिल्का झील और राजस्थान के भरतपुर में स्थित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को देश की पहली रामसर साइट्स होने का गौरव मिला था। समय बदला और भारत ने इस दिशा में इतनी तेजी से काम किया कि आज राज्यों की सूची में तमिलनाडु 16 साइट्स के साथ देश में सबसे शीर्ष पायदान पर काबिज है, जबकि उत्तर प्रदेश दूसरे नंबर पर मजबूती से खड़ा है। क्षेत्रफल के मामले में पश्चिम बंगाल का सुप्रसिद्ध और रहस्यमयी सुंदरवन भारत का सबसे बड़ा रामसर क्षेत्र है,तो वहीं हिमाचल प्रदेश की शांत और छोटी सी रेणुका झील को देश के सबसे छोटे रामसर स्थल का दर्जा प्राप्त है। लेकिन इस शानदार और गौरवमयी 100वीं साइट के जश्न के पीछे एक कड़वा और डरावना सच भी छिपा है। पूरी दुनिया में ये प्राकृतिक रक्षक आज खुद अपने अस्तित्व की आखिरी लड़ाई लड़ रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि साल 1970 के बाद से अब तक इंसानी लालच के कारण दुनिया भर की लगभग 40 कोर हेक्टेयर आर्द्रभूमि हमेशा के लिए जमींदोज हो चुकी है। हर साल इनमें तेजी से गिरावट आ रही है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है अंधाधुंध और अनियोजित शहरीकरण। इंसानों ने गगनचुंबी इमारतें,फैक्ट्रियाँ और कॉलोनियाँ बनाने के लिए इन जीवनदायी दलदली जमीनों को मलबे से पाटकर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया है। शहरों का गंदा सीवेज,प्लास्टिक का पहाड़ और उद्योगों से निकलने वाला रासायनिक जहर इन पवित्र झीलों के पानी को लगातार काला कर रहा है,जिससे वहां साँस लेने वाले जीवों का दम घुट रहा है। ऊपर से जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ता तापमान इन जल-स्रोतों को धीरे-धीरे रेगिस्तान में बदल रहा है।

इस गंभीर खतरे को भाँपते हुए भारत सरकार ने भी इन धरती के रक्षकों को बचाने के लिए कुछ बेहद महत्वाकांक्षी और ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। इसी कड़ी में अमृत धरोहर योजना की शुरुआत की गई,जिसका मुख्य उद्देश्य देश की रामसर साइट्स की अनूठी पहचान को बनाए रखना,स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करना और ईको-टूरिज्म के जरिए पर्यावरण-अनुकूल रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। इसी तरह,तटीय सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए मिष्टी योजना लागू की गई है,जो देश के सभी 13 तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मैंग्रोव वनों के पुनर्रोपण और उनके वैज्ञानिक संरक्षण के लिए पूरी ताकत से काम कर रही है। इसके साथ ही राष्ट्रीय आर्द्रभूमि संरक्षण कार्यक्रम के तहत देश भर की सैकड़ों छोटी-बड़ी संवेदनशील आर्द्र भूमियों की सेहत सुधारने के लिए लगातार आर्थिक और तकनीकी मदद दी जा रही है।वैश्विक स्तर पर इस चेतना को जिंदा रखने के लिए कैलेंडर में कुछ बेहद खास दिन मुकर्रर किए गए हैं। हर साल 2 फरवरी को पूरी दुनिया में विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया जाता है,जो हमें 1971 के उस ऐतिहासिक रामसर संकल्प की याद दिलाता है। इसी तरह, हर साल 26 जुलाई को यूनेस्को के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण दिवस मनाया जाता है, ताकि समंदर के किनारों पर पहरा देने वाले इन वनों के प्रति दुनिया जागरूक हो सके। इसके अलावा 5 जून का विश्व पर्यावरण दिवस तो है ही,जिस दिन भारत ने अपने इस महाशतक की पटकथा लिखी। भारत की प्रसिद्ध लोकटक झील और केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान इसके अंतर्गत शामिल किए गए हैं।

मोबाइल का दुष्प्रभाव

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जांजगीर-चाम्पा (छत्तीसगढ़)

मोबाइल से खेलते
उंगलियों को फेरते बच्चों को देख
मुझे उन पर दया आती है
जो एक कमरे में बंद होकर
खुले मौसम को तजकर
कम उम्र में ही महज
मस्तिष्क को चोटिल कर रहे हैं
जिस उम्र में हाथ-पैर
चोटिल होने चाहिए
धूल के अनगढ़ कणों में
बचपन खोने चाहिए
ऐसी अवस्था में
उंगलियों का भाग-दौड़
इसे तकाजा कहूँ या पतन
मुझे कुछ पता नहीं
किंतु जिस अवस्था में
हाथों में खिलौना होने चाहिए थे
उस उम्र में धारदार हथियार थामना
केवल निराशा है विनाश है..
बचपन और खिलौनों का
देह की चंचल मिलौनों का
बढ़ते मानसिक भंडारों का
सामाजिक सरोकारों का ।।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

जीडी गोयनका हेल्थकेयर अकादमी में उत्साहपूर्वक मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 जून 2026 (घटती-घटना)।
विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जीडी गोयनका हेल्थकेयर अकादमी,अंबिकापुर में पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न रचनात्मक एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं प्रकृति संवर्धन विषयों पर आकर्षक रंगोलियां बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं वायु एवं जल प्रदूषण विषय पर प्रस्तुतीकरण और चित्रकला के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रदूषण के दुष्प्रभावों तथा बचाव के उपायों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान ध्वनि प्रदूषण विषय पर नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया गया, जिसमें अत्यधिक शोर से मानव स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को दर्शाया गया। विद्यार्थियों के अभिनय ने उपस्थित लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जीडी गोयनका हेल्थकेयर अकादमी के फ्रेंचाइजी पार्टनर एवं संकल्प हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. अक्षय गोयल, प्रशासक श्री राकेश कोठारी तथा सेंटर हेड श्री भूपेश देवांगन उपस्थित रहे। डॉ.गोयल ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वच्छ, हरित एवं सतत भविष्य के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

जंगल में चल रही जुए की महफिल पर पुलिस का छापा,दो जुआरी गिरफ्तार,तीन बाइक जब्त

-संवाददाता-
बलरामपुर,06 जून 2026 (घटती-घटना)।
जिले में अवैध जुआ,सट्टा और शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बलरामपुर कोतवाली पुलिस ने दहेजवार जंगल में दबिश देकर जुआ खेलते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नगदी, ताश के पत्ते तथा तीन मोटरसाइकिल जब्त की हैं,जबकि अन्य जुआरी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के निर्देश पर जिलेभर में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 5 जून 2026 की शाम करीब 5:30 बजे बलरामपुर थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दहेजवार गोठान के पास जंगल में कुछ लोग 52 पत्ती ताश के माध्यम से हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना की तस्दीक के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर कार्रवाई की। पुलिस को देखकर जुआ खेल रहे कई लोग भाग निकले, लेकिन मौके से दीपक गुप्ता (पिता श्रवण साव, निवासी दहेजवार) तथा रामप्रसाद (पिता केशव, निवासी वार्ड क्रमांक 07, बलरामपुर) को गिरफ्तार कर लिया गया।

मैनपाट में पीलिया पर नियंत्रण की कवायद तेज

स्वास्थ्य विभाग ने तीन मौतों की पुष्टि की,35 घरों से पानी के लिए गए नमूने

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 जून 2026 (घटती-घटना)।
मैनपाट क्षेत्र के नर्मदापुर,कुनिया और आसपास के गांवों में फैले पीलिया के मामलों को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी और जांच तेज कर दी है। विभाग ने अब तक पीलिया से तीन लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि ग्रामीणों का दावा है कि बीमारी से पांच लोगों की जान जा चुकी है। प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य विभाग की टीम कैंप लगाकर मरीजों की जांच और उपचार कर रही है। जानकारी के अनुसार पिछले एक माह से क्षेत्र में पीलिया के मामले सामने आ रहे हैं। शुरुआत में लोग सर्दी-खांसी,उल्टी और बुखार समझकर स्थानीय स्तर पर इलाज कराते रहे, लेकिन बाद में जांच में कई मरीजों में पीलिया की पुष्टि हुई। वर्तमान में एक दर्जन से अधिक लोगों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग की प्रारंभिक जांच में बाहरी खानपान को बीमारी का संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि बीमारी के वास्तविक स्रोत की पुष्टि अभी नहीं हुई है। विभाग पानी और अन्य नमूनों की जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है।

गांव-गांव पहुंची स्वास्थ्य टीम

शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्रभावित गांवों का दौरा कर 35 घरों से पानी के नमूने एकत्र किए। साथ ही ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक सैंपल भी लिए गए। विभाग के अनुसार फिलहाल कोई नया मरीज सामने नहीं आया है, जिससे स्थिति नियंत्रण में होने की उम्मीद जताई जा रही है।

ग्रामीणों ने जताई नाराजगी...

ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में करीब एक माह से बीमारी फैली हुई थी, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता देर से शुरू हुई। इस दौरान कई लोग संक्रमित हुए और कुछ मरीजों की मौत भी हो गई। ग्रामीणों ने समय पर स्वास्थ्य जांच और निगरानी नहीं होने पर नाराजगी जताई है।

पानी की जांच जारी...

स्वास्थ्य सेवाएं,सरगुजा संभाग़के संयुक्त संचालक डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि प्रभावित गांवों में विशेष कैंप लगाए गए हैं। मरीजों की जांच और उपचार के साथ बीमारी के कारणों की पड़ताल की जा रही है। पानी के नमूनों की जांच कराई जा रही है। लोगों को उबालकर पानी पीने, साफ-सफाई रखने और ताजा व गर्म भोजन करने की सलाह दी गई है।

बैंक खातों पर होल्ड और साइबर फ्रॉड मामलों के समाधान को लेकर सीएसपी ने ली बैंक प्रबंधकों की बैठक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 जून 2026 (घटती-घटना)।
पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देशन में शुक्रवार को नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) राहुल बंसल ने को-ऑर्डिनेशन सेंटर में शहर के विभिन्न बैंक शाखा प्रबंधकों की बैठक लेकर साइबर अपराध, बैंक खातों पर होल्ड एवं सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। बैठक में गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र द्वारा जारी एनसीआरपी-सीएफसीएफआरएमएस की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की जानकारी दी गई। इसमें बैंक खातों के फ्रीज या लीन होने की स्थिति में खाताधारकों को राहत देने, शिकायतों के निराकरण तथा साइबर ठगी के पीड़ितों की राशि वापस कराने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। सीएसपी राहुल बंसल ने सभी बैंक प्रबंधकों को शाखाओं में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैंकों में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती,उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे,सक्रिय सायरन व्यवस्था, नियमित सुरक्षा अभ्यास तथा संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल पुलिस को सूचना देने पर जोर दिया। साथ ही ग्राहकों को बड़ी राशि निकालने के बाद सतर्क रहने के लिए जागरूक करने के निर्देश भी

दिए गए। बैठक में जीआरएम पोर्टल के माध्यम से खाताधारकों को मिलने वाली सुविधाओं की भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि अब बैंक खाताधारकों को अपने खाते पर लगे होल्ड या लीन को हटवाने के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होगी। वे सीधे अपनी बैंक शाखा में आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे, जिसके बाद संबंधित बैंक पोर्टल के माध्यम से प्रक्रिया पूरी कर अधिकतम 90 दिनों के भीतर समाधान उपलब्ध कराएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अब खाताधारक ट्रांजैक्शन की जानकारी और केवाईसी दस्तावेजों के साथ अपनी बैंक शाखा में आवेदन कर सकते हैं। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस नोटिस भेजकर जानकारी प्राप्त कर सकेगी तथा जांच प्रक्रिया में वीडियो कॉलिंग जैसी डिजिटल सुविधाओं का भी उपयोग किया जा सकेगा। बैठक में गांधीनगर थाना प्रभारी प्रवीण द्विवेदी,मणिपुर थाना प्रभारी सी.पी. तिवारी,साइबर सेल के उप निरीक्षक अजीत मिश्रा सहित पुलिस अधिकारी एवं अंबिकापुर के विभिन्न बैंक शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे। पुलिस ने कहा कि बैंक और पुलिस के बेहतर समन्वय से साइबर अपराधों के मामलों में पीड़ितों को त्वरित राहत मिल सकेगी।

बूस्टर लगाने भोपाल से पहुंचे वैज्ञानिक

सकालो पिग फार्म में देश का पहला अफ्रीकन स्वाइन फीवर वैक्सीन ट्रायल जारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 जून 2026 (घटती-घटना)।
शासकीय सुकर फार्म, सकालो (अंबिकापुर) में अफ्रीकन स्वाइन फीवरवैक्सीन का ट्रायल मार्च 2026 से जारी है। इस महत्वपूर्ण परीक्षण के तहत बूस्टर डोज लगाने एवं ट्रायल की प्रगति का निरीक्षण करने के लिए राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान , भोपाल के वैज्ञानिक अंबिकापुर पहुंचे। फार्म प्रबंधक डॉ. अजय अग्रवाल ने बताया कि ASF वैक्सीन का विकास NIHSAD, भोपाल के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है। वैक्सीन ट्रायल का संचालन पशुपालन विभाग के संचालक के निर्देशानुसार किया जा रहा है। ट्रायल के निरीक्षण एवं मूल्यांकन के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वेंकटेश, डॉ. सेंथिल कुमार तथा डॉ. राजू कुमार समय-समय पर शासकीय सुकर फार्म का दौरा कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अफ्रीकन स्वाइन फीवर सूअरों में

होने वाली अत्यंत घातक वायरल बीमारी है, जिसकी मृत्यु दर बहुत अधिक होती है। यह रोग घरेलू एवं जंगली दोनों प्रकार के सूकरों को प्रभावित करता है।

वर्तमान में इस बीमारी का कोई प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है तथा वैक्सीन अभी परीक्षण एवं अनुसंधान के चरण में है। उल्लेखनीय है कि देश में ASF वैक्सीन का यह प्रथम ट्रायल है। वर्तमान समय में भारत सहित विश्व के अधिकांश देशों में अफ्रीकन स्वाइन फीवर के लिए कोई पूर्ण रूप से स्वीकृत व्यावसायिक वैक्सीन उपलब्ध नहीं है।

लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने सुनीं ग्रामीणों की मांग एवं शिकायतें,अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 जून 2026 (घटती-घटना)।
सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिले के लुण्ड्रा विकासखंड के सुदूर ग्राम पंचायत रीरी में जनसमस्या निवारण समाधान शिविर का आयोजन किया गया। रीरी क्लस्टर अंतर्गत 19 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शिविर में शामिल हुए तथा विभिन्न मांग एवं शिकायत संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज उपस्थित रहे। उन्होंने आमजन से संवाद करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा ग्रामीणों की समस्याएं,मांगें एवं सुझाव सुने। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक श्री मिंज ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। समाधान शिविरों के माध्यम से शासन-प्रशासन सीधे गांवों तक पहुंचकर यह सुनिश्चित कर रहा है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं

का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से यह जानकारी भी ली जा रही है कि कौन-कौन लोग योजनाओं से वंचित हैं, किसे लाभ मिल रहा है तथा क्षेत्र में विकास कार्यों एवं जनसेवाओं से संबंधित क्या समस्याएं और शिकायतें हैं। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर केवल आवेदन प्राप्त करने का मंच नहीं, बल्कि आम जनता की समस्याओं को सुनकर उनके प्रभावी निराकरण का माध्यम है। पूर्व में कई बार लोग आवेदन जमा कर देते थे, लेकिन उनके समाधान की जानकारी नहीं मिल पाती थी। इस बार प्राप्त मांग एवं शिकायत संबंधी आवेदनों का विधिवत पंजीयन कर उनके निराकरण के लिए गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि यदि किसी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है अथवा गांव के विकास से जुड़ी कोई समस्या या मांग है तो वे खुलकर अपनी बात रखें, ताकि उसका समाधान सुनिश्चित किया जा सके। शिविर में सुशासन तिहार के अंतर्गत लगभग 26 विभागों द्वारा विभागीय स्टॉल लगाए गए,जहां सभी विभागों के जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा लाभ लेने के प्रेरित किया। आधार कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड निर्माण हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया। वहीं टीबी मुक्त सरगुजा अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी जांच एवं स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की गई तथा पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत हितग्राहियों को ''खुशियों की चाबी'' प्रदान की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड एवं टीबी किट तथा खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा ट्राइसाइकिल वितरण किया गया। शिविर में कुल 501 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 464 मांग संबंधी एवं 37 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल रहे। प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

डेली निड्स दुकान की आड़ में चल रहा था गांजा कारोबार

कोतवाली पुलिस की छापेमारी में 3 किलो गांजा जब्त,पिता-पुत्र गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 जून 2026 (घटती-घटना)।
शहर में डेली निड्स दुकान की आड़ में गांजा का अवैध कारोबार किए जाने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने शनिवार को छापेमारी कर 3 किलो गांजा जब्त किया और दुकान संचालक पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार पुराना नगर निगम कार्यालय के समीप जोड़ा पीपल रोड स्थित सोनू डेली निड्स दुकान में लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। दुकान देर रात तक आधा शटर बंद कर संचालित की जाती थी,जहां लोग पान, सिगरेट, गुटखा सहित अन्य नशीले पदार्थ खरीदने पहुंचते थे। कोतवाली थाना प्रभारी शशिकांत सिन्हा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दुकान की आड़ में गांजा की बिक्री की जा रही है। सूचना के

आधार पर पुलिस टीम ने शनिवार को दुकान में दबिश दी।

दुकान के अंदर मिला गांजा : छापेमारी के दौरान दुकान के भीतर रखे एक झोले से करीब 3 किलो गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से दुकान संचालक नरेश सोनी और उसके पुत्र सोनू सोनी को हिरासत में लिया।

एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई : पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

स्पीच थेरेपिस्ट पर दुष्कर्म व ब्लैकमेलिंग का आरोप

डॉक्टर की पत्नी की शिकायत पर केस दर्ज

आरोपी गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 जून 2026 (घटती-घटना)।
शहर के एक स्पीच थेरेपिस्ट पर महिला ने दुष्कर्म,ब्लैकमेलिंग और मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है। कोतवाली पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी डॉ. प्रांजल बलियान को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पीड़िता ने शिकायत में आरोप लगाया है कि वर्ष 2023 में वह अपने बेटे के उपचार के लिए मिशन चौक स्थित क्लीनिक गई थी। बच्चे की नियमित थेरेपी के दौरान उसकी

आरोपी से पहचान हुई और बातचीत बढ़ी। महिला का आरोप है कि 10 अगस्त 2023 को क्लीनिक में मुलाकात के दौरान आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। सामाजिक बदनामी और पारिवारिक कारणों से उसने उस समय घटना की जानकारी किसी को नहीं दी। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया है कि पहली घटना के बाद आरोपी उसे लगातार ब्लैकमेल करता रहा और दबाव बनाकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। महिला का कहना है कि आरोपी धमकी देकर उसे अपने संपर्क में बनाए रखता था।

विवाद के बाद पहुंची थाने : पीड़िता के अनुसार 1 जून को किसी बात को लेकर उसका आरोपी से विवाद हो गया। इस दौरान आरोपी द्वारा मारपीट और धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। इसके बाद महिला ने पूरी घटना की जानकारी अपने पति को दी और 4 जून को कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ने बताया कि महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसे 5 जून को गिरफ्तार कर लिया गया।

भाजपा किसान मोर्चा की जिला कार्यसमिति एवं परिचयात्मक बैठक सम्पन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 जून 2026 (घटती-घटना)।
भाजपा किसान मोर्चा की जिला कार्यसमिति एवं परिचयात्मक बैठक संकल्प भवन स्थित भाजपा जिला कार्यालय में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मंजूषा भगत सहित उपस्थित अतिथियों द्वारा भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही किसानों के हित में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा संगठनात्मक गतिविधियों को गांव-

गांव तक पहुंचाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। भाजपा नेता डॉ. अम्बिकेश केशरी ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और भाजपा सरकार किसानों के सम्मान एवं समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सेवा, समर्पण और जनसंपर्क के माध्यम से सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आग्रह किया। किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री अनिल अग्रवाल ने कहा कि किसान मोर्चा किसानों और सरकार के बीच सेतु की भूमिका निभा रहा है तथा किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिल उरांव निराला ने कहा कि संगठन के कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर किसानों को केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देंगे और उन्हें विभिन्न लाभकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य करेंगे। बैठक को जिला महामंत्री अरुणा सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अनिल तिवारी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन महेन्द्र सिंह द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मन की बात प्रभारी जनमेजय मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी रुपेश दुबे, निलेश सिंह, डॉ. पूर्णिमा सिंह, जीतेश्वर पाठक, कुणाल सिंह, अजीत सिंह, विक्की सोनी सहित किसान मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

CMYK

विश्व पर्यावरण दिवस पर कृषि महाविद्यालय बैकुंठपुर में हरियाली,स्वच्छता और जागरूकता का संगम

वृक्षारोपण,स्वच्छता अभियान,प्रतियोगिताएं और खेत बचाओ अभियान की जानकारी के साथ मनाया गया पर्यावरण दिवस

छात्र-छात्राओं ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प,उत्कृष्ट प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,06 जून 2026
(घटती-घटना)।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्वर्गीय डॉ. रामचन्द्र सिंहदेव कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, बैकुंठपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में विविध कार्यक्रमों का आयोजन उत्साह एवं जागरूकता के वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. डी.के. गुप्ता के मार्गदर्शन में तथा प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. श्रवण यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ,कार्यक्रम में भानु पाल, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष सह कृषि महाविद्यालय प्रतिनिधि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक शपथ के साथ हुआ,महाविद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अतिथियों द्वारा आम, अमरूद, कटहल, आंवला, नींबू सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया,पौधरोपण के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने यह संकल्प लिया कि केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उनके संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी भी निभाएंगे।

प्रतियोगिताओं के माध्यम से दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, इनमें रंगोली, पोस्टर,गमला सजाओ एवं निबंध प्रतियोगिता प्रमुख रहीं, प्रतियोगिताओं का विषय पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, प्लास्टिक प्रदूषण नियंत्रण, हरित भविष्य और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ा हुआ था,विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और पर्यावरणीय समझ का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, रंगोली प्रतियोगिता में मुस्कान ने प्रथम,मनीषा सिंह ने द्वितीय तथा प्राची सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया,पोस्टर प्रतियोगिता में परवाज़ शाहनवाज़ प्रथम,रितेश कुमार द्वितीय तथा रोहन कुमार साहनी तृतीय स्थान पर रहे,निबंध प्रतियोगिता में साक्षी राजवाड़े ने प्रथम, अनूपा तिर्की ने द्वितीय तथा अंजुलता धनराज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया,वहीं गमला सजाओ प्रतियोगिता में याग्नी सिंह विजेता रहीं, प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को सम्मानित कर उनके उत्साहवर्धन किया गया।

पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन पर किया गया जागरूक

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण,बढ़ते जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और उनके सतत उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई, वक्ताओं ने बताया कि वर्तमान समय में बढ़ता तापमान, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन पूरी दुनिया के लिए चुनौती बन चुका है, ऐसे समय में वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण ही भविष्य को सुरक्षित बना सकता है, विद्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा 1 जून से 30 जून तक संचालित 'खेत बचाओ अभियान' की जानकारी भी प्रदान की गई, इस अभियान के अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य परीक्षण,जैविक खेती,जैविक रोग-व्याधि नियंत्रण तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जा रहा है, कार्यक्रम में जीवामृत, बीजामृत एवं अन्य जैविक आदानों के उपयोग, उनकी उपयोगिता तथा कृषि उत्पादन में उनकी भूमिका के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई, कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि रासायनिक खेती से होने वाले दुष्प्रभावों को कम करने और भूमि की उर्वरता बनाए रखने के लिए जैविक एवं प्राकृतिक खेती आज की आवश्यकता बन चुकी है।

मुख्य अतिथि ने दिलाई पर्यावरण संरक्षण की शपथ

मुख्य अतिथि भानु पाल ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई, उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है, उन्होंने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, जल संरक्षण को अपनाने तथा स्वच्छता बनाए रखने का आह्वान किया, उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे पर्यावरण संरक्षण के संदेश को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाएं।

स्वच्छता अभियान में भी दिखाई सक्रिय भागीदारी

कार्यक्रम से पूर्व प्रातःकाल महाविद्यालय परिसर, बालक छात्रावास एवं बालिका छात्रावास में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान गाजरघास उन्मूलन, प्लास्टिक हटाओ अभियान तथा स्वच्छ परिसर अभियान आयोजित किया गया, छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए परिसर से प्लास्टिक कचरा हटाया तथा स्वच्छ वातावरण निर्माण का संदेश दिया, स्वच्छता अभियान ने यह संदेश दिया कि पर्यावरण संरक्षण केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है बल्कि स्वच्छता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से भी जुड़ा हुआ है।

बड़ी संख्या में उपस्थित रहे अतिथि एवं प्राध्यापक- कार्यक्रम का सफल संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राहुल आर्य द्वारा किया गया, इस अवसर पर नरेश सोनी (आईसेक्ट), अशोक यादव (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, संगठन जिला मंत्री कोरिया), बलवीर पुषाम (जिला संयोजक कोरिया), अभिषेक साहू (जिला संयोजक पर्यावरण संरक्षण समिति), नीरज राजवाड़े (नगर मंत्री बैकुंठपुर), आयुषी साहू (नगर सह-मंत्री बैकुंठपुर), शुभांश कुमार सैनी सहित विभिन्न सामाजिक एवं छात्र संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण पुनेश्वर सिंह पैकरा, डॉ. आशीष कुमार सिंह, शिक्षकगण डॉ. अमिता एक्का, डॉ. अलका मिंज, प्रियंका साहू, डॉ. चित्रलेखा श्याम, डॉ. प्रशांत कुमार एवं प्रवीण कुमार ध्रुव उपस्थित रहे, इसके अलावा शाखा अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण, कौशल कुमार कुशवाहा, पूनम सिंह, गणमान्य नागरिक प्रदीप गुप्ता, महिला उत्पीड़न निवारण समिति की सदस्य सरिता गुप्ता तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में शामिल हुए।

पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ हुआ समापन

कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन और सतत विकास के प्रति जागरूकता के संदेश के साथ किया गया, छात्र-छात्राओं ने संकल्प लिया कि वे पर्यावरण संरक्षण के महत्व को जन-जन तक पहुंचाएंगे तथा स्वच्छ और हरित वातावरण के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएंगे, विश्व पर्यावरण दिवस पर कृषि महाविद्यालय बैकुंठपुर में आयोजित यह कार्यक्रम केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि पर्यावरणीय चेतना, वैज्ञानिक कृषि, स्वच्छता और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक प्रेरणादायी संगम बनकर सामने आया।

प्रेम संबंध में बाधा बनी महिला की हत्या,प्रेमी-प्रेमिका गिरफ्तार

लखनपुर पुलिस ने सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सुलझाया अंधा कत्ल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 जून 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र में हुई एक वृद्ध महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने प्रेमी-प्रेमिका को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रेम संबंध में बाधा बनने के कारण आरोपियों ने महिला की हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जुना लखनपुर निवासी 65 वर्षीय लक्ष्मी लकड़ा की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु होने की सूचना 1 जून को थाना लखनपुर में दी गई थी। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। घटनास्थल और शव के निरीक्षण के दौरान शरीर पर चोट एवं घर्षण के निशान पाए गए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु को हत्यात्मक प्रकृति का पाए जाने के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में घटना की रात एक व्यक्ति को मृतिका के घर में प्रवेश करते और कुछ समय बाद बाहर निकलते देखा गया। इसके बाद मृतिका की भतीजी तेरेसा एक्का को उसी व्यक्ति के साथ मोटरसाइकिल में जाते हुए पाया गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और संदेह के आधार पर तेरेसा एक्का तथा उसके प्रेमी आशिष कुमार गुप्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने कथित रूप से अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उनके प्रेम संबंधों में मृतिका बाधा बन रही थी। इसी कारण उन्होंने महिला के साथ मारपीट कर उसकी हत्या कर दी और घटना के बाद दोनों रातभर घर से बाहर रहे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल तथा वारदात के समय पहने गए कपड़े जब्त किए हैं। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

गिरफ्तार आरोपी

1. आशिष कुमार गुप्ता (30 वर्ष), निवासी बाजारपारा, लखनपुर।
2. तेरेसा एक्का (20 वर्ष), निवासी लोसगा, रानीकछार, थाना लखनपुर।

पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक संपत पोटाई, सहायक उपनिरीक्षक परशुराम, प्रधान आरक्षक सतीष सिंह, पिताम्बर सिंह, अजय पाण्डेय, प्रवीण चंद तिवारी तथा आरक्षक दशरथ राजवाड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शराब से भरी बोलेरो लेकर जवानों को कुचलने का प्रयास,दो आरोपी गिरफ्तार

बैरियर तोड़कर फरार हुआ चालक साइबर सेल की मदद से झारखंड से दबोचा गया...जेल भेजा गया

-संवाददाता-
बलरामपुर,06 जून 2026
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के तुगवा अंतरराज्यीय चेक पोस्ट पर शराब से भरी बोलेरो लेकर पहुंचे एक चालक ने जवानों को कुचलने का प्रयास करते हुए बैरियर तोड़ दिया और फिल्मी अंदाज में फरार हो गया। मामले में पुलिस ने साइबर सेल की सहायता से मुख्य आरोपी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार 22 अप्रैल 2026 को बोलेरो वाहन क्रमांक छत्त-15ज-6984 मध्यप्रदेश के बैढ़न क्षेत्र से अवैध शराब लेकर छत्तीसगढ़ की ओर आ रही थी। तुगवा बैरियर पर तैनात जवानों ने वाहन को रोकने का संकेत दिया, लेकिन चालक ने वाहन नहीं रोका। आरोप है कि उसने जवानों पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास करते हुए बैरियर को टक्कर मार दी और रघुनाथनगर की ओर भाग निकला। सूचना मिलते ही रघुनाथनगर थाना और बलांगी चौकी पुलिस ने घेराबंदी की। पुलिस का दबाव बढ़ता देख चालक ने थाना क्षेत्र के एक बंद पेट्रोल पंप के समीप कच्चे रास्ते में वाहन छोड़ दिया और फरार हो गया। पुलिस ने मौके से शराब से भरी बोलेरो जब्त कर ली। मामले में बलांगी चौकी में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं तथा रघुनाथनगर थाना में आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर वैभव वेंकट एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के निर्देशन में पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी रही।

साइबर सेल की मदद से मिला सुराग : जांच के दौरान साइबर सेल को जानकारी मिली कि मुख्य आरोपी घटना के बाद झारखंड के गढ़वा जिले के डंडई क्षेत्र स्थित अपने ससुराल में छिपा हुआ है। पुलिस टीम ने वहां दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान रघुनंदन कुशवाहा (25 वर्ष), निवासी हरदी बहरा, थाना रघुनाथनगर के रूप में बताई। आरोपी ने कथित रूप से स्वीकार किया कि वह बोलेरो वाहन का उपयोग अवैध शराब परिवहन के लिए करता था। उसने बताया कि बैढ़न (मध्यप्रदेश) स्थित कचनी शराब भट्ठी से शराब खरीदकर सूरजपुर जिले में सप्लाई करने जा रहा था।

शराब आपूर्ति से जुड़े दूसरे आरोपी की भी गिरफ्तारी : मुख्य आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने शराब आपूर्ति से जुड़े दूसरे आरोपी मृत्युंजय जायसवाल (29 वर्ष), निवासी साहिबगंज, झारखंड को भी हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में रामानुजगंज जेल भेज दिया गया।

पुलिस टीम की रही अहम भूमिका

पूरे मामले की कार्रवाई में थाना प्रभारी रघुनाथनगर उप निरीक्षक धीरेंद्र तिवारी, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक हिम्मत सिंह शेखावत, साइबर आरक्षक आकाश तिवारी, आरक्षक योगेश जायसवाल, टेकचंद, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक लखेश्वर कश्यप, आरक्षक संजय जायसवाल तथा सैनिक सचेत साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खाद,बीज और डीजल की उपलब्धता को लेकर किसान नेताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
प्रतापपुर,06 जून 2026
(घटती-घटना)।

खरीफ सीजन की शुरुआत से पहले किसानों को खाद, बीज और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने की मांग को लेकर किसान प्रतिनिधिमंडल ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) प्रतापपुर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से किसानों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को प्रशासन के समक्ष रखा गया। ज्ञापन में किसानों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया,डीएपी सहित अन्य उर्वरक एवं गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने,सेवा सहकारी समितियों में शीघ्र किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) बनवाने तथा कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त डीजल उपलब्ध कराने की मांग की गई है। साथ ही निजी दुकानों में खाद एवं बीज की बिक्री पर निगरानी बढ़ाने तथा कालाबाजारी रोकने के लिए विशेष समिति गठित करने का भी आग्रह किया गया है। किसान प्रतिनिधियों ने निजी दुकानों में उपलब्ध बीजों की गुणवत्ता की नियमित जांच कराने और किसानों को शासकीय दर पर खाद उपलब्ध कराने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि समय पर खाद, बीज और डीजल नहीं मिलने से किसानों को खेती-किसानी में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ज्ञापन सौंपने वालों में नवीन जायसवाल, संजीव श्रीवास्तव,जगत लाल आयाम,विद्या सागर सिंह त्रिभुवन सिंह सरपंच ग्राम पंचायत खोरमा एवं विनोद कुमार नेताम प्रमुख रूप से शामिल रहे। किसान नेताओं ने प्रशासन से मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई है। साथ ही चेतावनी दी है कि समस्याओं का समाधान नहीं होने पर किसान आंदोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सूरजपुर में हरियाली का महाअभियान

न्यायपालिका,जिला प्रशासन,पुलिस विभाग और उद्यान विभाग ने मिलकर रचा पर्यावरण संरक्षण का नया अध्याय

कलेक्टर रेना जमील,प्रधान जिला न्यायाधीश विनीता वार्नर और डीआईजी-एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने दिया संदेश–पौधे लगाएं,उन्हें वृक्ष बनने तक बचाएं...

न्यायपालिका, प्रशासन,पुलिस और उद्यान विभाग एक मंच पर, 21,621 फलदार पौधों का वितरण,सैकड़ों स्थानों पर वृक्षारोपण

प्रधान जिला न्यायाधीश,कलेक्टर और डीआईजी-एसएसपी ने दिया संदेश–पौधे लगाइए,उन्हें वृक्ष बनने तक बचाइए...

सूरजपुर कलेक्टर रेना जमील पौधा लगाते हुए

सूरजपुर डीआईजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर पौधा लगाते हुए

सूरजपुर प्रधान जिला न्यायाधीश विनीता वार्नर पौधा लगाते हुए

कलेक्टर रेना जमील ने दिया... पर्यावरण संरक्षण का संदेश

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टर रेना जमील ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कलेक्टर गार्डन में पौधरोपण कर जिलेवासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया,उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प दिलाते हुए कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का माध्यम नहीं हैं,बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं,वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपाय बनकर सामने आया है, कलेक्टर रेना जमील ने कहा कि एक पौधा लगाना महत्वपूर्ण है,लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है उसे जीवित रखना। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने हिस्से का एक पौधा बचा ले तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा परिवर्तन संभव है।

उद्यान विभाग ने वितरित किए 21,621 फलदार पौधे

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिले का सबसे बड़ा पौध वितरण अभियान उद्यान विभाग द्वारा संचालित किया गया,विभाग ने मनरेगा के माध्यम से तैयार किए गए कुल 21,621 फलदार पौधों का नि:शुल्क वितरण कर पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया, वितरित पौधों में आम,कटहल,अमरूद,जामुन, सीताफल,नींबू,मुनगा (सहजन) और पपीता प्रमुख रूप से शामिल रहे। इन पौधों को किसानों,ग्रामीणों, स्व-सहायता समूहों, ग्राम पंचायतों तथा विभिन्न संस्थाओं को प्रदान किया गया,उद्यान विभाग का उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं बल्कि ग्रामीण परिवारों को भविष्य में अतिरिक्त आय का स्त्रोत उपलब्ध कराना भी है,फलदार पौधे आने वाले वर्षों में आर्थिक लाभ के साथ-साथ पोषण सुरक्षा का भी आधार बनेंगे,जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भूमि, सार्वजनिक स्थलों,विद्यालय परिसरों और अन्य उपयोगी स्थानों पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए,ग्रामीणों को पौधों की देखभाल और संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें नियमित सिंचाई एवं सुरक्षा के लिए प्रेरित किया गया।

डीआईजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस लाइन में किया पौधरोपण

विश्व पर्यावरण दिवस पर पुलिस विभाग ने भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष अभियान चलाया,डीआईजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस लाइन परिसर में पौधरोपण कर कार्यक्रम का नेतृत्व किया,इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन,डीएसपी अनूप एक्का,रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया,डीआईजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं, वे न केवल वायु को शुद्ध करते हैं बल्कि जैव विविधता को संरक्षित रखने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसके वृक्ष बनने तक उसकी जिम्मेदारी निभाए।

सभी थाना और चौकी परिसरों में लगाए गए 500 से अधिक पौधे

डीआईजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले के सभी थाना एवं चौकी परिसरों में भी वृक्षारोपण अभियान चलाया गया,थाना प्रभारियों,पुलिस अधिकारियों और जवानों ने विभिन्न प्रजातियों के 500 से अधिक पौधों का रोपण किया,पुलिस अधिकारियों ने पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि नियमित देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी ताकि ये पौधे भविष्य में बड़े वृक्ष बन सकें और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकें।

हरित सूरजपुर की दिशा में ऐतिहासिक पहल

विश्व पर्यावरण दिवस पर सूरजपुर जिले में हुए इन संयुक्त प्रयासों ने यह साबित कर दिया कि जब प्रशासन, न्यायपालिका,पुलिस और आमजन एक मंच पर खड़े होकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हैं तो बदलाव की मजबूत नींव तैयार होती है,प्रधान जिला न्यायाधीश विनीता वार्नर, जिला कलेक्टर रेना जमील,डीआईजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, डीएसपी अनूप एक्का,रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी,न्यायिक अधिकारीगण,लीगल एड डिफेंस काउंसिल कार्यालय के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्तागण,शिक्षकगण,जेल प्रशासन, न्यायालयीन कर्मचारी,पुलिस अधिकारी एवं जवान,किसान, ग्रामीण,जनप्रतिनिधि तथा स्व-सहायता समूहों की महिलाओं की सहभागिता ने इस अभियान को यादगार बना दिया,जिले में लगाए गए हजारों पौधे और वितरित किए गए 21,621 फलदार पौधे केवल आंकड़े नहीं हैं,बल्कि सूरजपुर के हरित, स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य की नींव हैं,यदि इन पौधों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाता है तो आने वाले वर्षों में यही पौधे जिले की पहचान बनेंगे और विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का यह अभियान सूरजपुर के इतिहास में पर्यावरण संरक्षण की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज होगा।

-संवाददाता-
सूरजपुर, 06 जून 2026
(घटती-घटना)।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सूरजपुर जिले में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक व्यापक और प्रेरणादायक अभियान देखने को मिला,जिले में न्यायपालिका,जिला प्रशासन,पुलिस विभाग और उद्यान विभाग ने मिलकर हरियाली बढ़ाने का ऐसा संदेश दिया,जिसने पर्यावरण संरक्षण को केवल औपचारिक आयोजन तक सीमित नहीं रहने दिया बल्कि इसे जनभागीदारी का स्वरूप प्रदान किया। जिलेभर में हजारों पौधे लगाए गए, सैकड़ों स्थानों पर वृक्षारोपण हुआ और मनरेगा के माध्यम से तैयार किए गए 21,621 फलदार पौधों का निःशुल्क वितरण कर हरित सूरजपुर की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में न्यायिक अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, अधिवक्ता, शिक्षक, जेल प्रशासन, किसान, जनप्रतिनिधि, स्व-सहायता समूहों की महिलाएं तथा आम नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए, पूरे जिले में एक ही संदेश गूंजता रहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

प्रधान जिला न्यायाधीश विनीता वार्नर के नेतृत्व में न्यायपालिका का वृहद अभियान

जिला न्यायालय सूरजपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विनीता वार्नर के मार्गदर्शन एवं प्रत्यक्ष नेतृत्व में वृहद पौधरोपण अभियान आयोजित किया गया, इस अभियान के लिए तीन प्रमुख परिसरों का चयन किया गया, न्यायिक कर्मचारी निर्माणाधीन आवास परिसर की बाउंड्रीवाल के समीप पौधरोपण कर भविष्य के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण की नींव रखी गई, वहीं स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में पौधे लगाए गए, ताकि युवा पीढ़ी में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित हो सके, इसके अतिरिक्त जिला जेल परिसर में भी बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया, जेल परिसर में हरियाली बढ़ाने का उद्देश्य न केवल वातावरण को शुद्ध बनाना था बल्कि बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालना भी था, इस दौरान आम, कटहल, आंवला, अशोक सहित विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में जिले के समस्त न्यायिक अधिकारीगण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल कार्यालय के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्तागण, शिक्षकगण, जेल प्रशासन तथा न्यायालयीन कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, अपने संबोधन में श्रीमती विनीता वार्नर ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि जब तक वे वृक्ष का रूप न ले लें तब तक उनका संरक्षण और पोषण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जनभागीदारी बनी अभियान की सबसे बड़ी ताकत

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इन कार्यक्रमों की सबसे बड़ी विशेषता जनभागीदारी रही। न्यायपालिका, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और उद्यान विभाग के साथ-साथ किसानों, ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं और युवाओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई, कई स्थानों पर लोगों ने पौधों की सुरक्षा की सामूहिक जिम्मेदारी लेने का संकल्प लिया। यह भावना इस अभियान को केवल सरकारी आयोजन न बनाकर सामाजिक आंदोलन का स्वरूप प्रदान करती है।

CMYK

222 दिन से दबी आरटीआई पर जागा शिक्षा विभाग, डीईओ ने बीईओ को दिया 7 दिन का अल्टीमेटम

समाचार प्रकाशित होते ही हरकत में आया विभाग...अब मांगा गया जवाब...

-ओंकार पाण्डेय-

बीईओ सूरजपुर के लिए क्या आरटीआई कानून सिर्फ सलाह है?

222 दिन बाद भी नहीं मिली सूचना,डीईओ का आदेश भी पड़ा बेअसर,सूचना का अधिकार अधिनियम की खुलेआम अनदेखी या फिर किसी राज़ पर पड़ा है पर्दा?

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,04 जून 2026 (घटती-घटना)। देश में सूचना का अधिकार अधिनियम

सूरजपुर के विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कार्यालय से जुड़ा एक मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है, आरोप है कि सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी

24 अक्टूबर 2025 को मांगी गई थी जानकारी

जानकारी के अनुसार आवेदक [illegible] दुबे ने 24 अक्टूबर 2025 को कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी सूरजपुर में पांच अलग-अलग आरटीआई आवेदन प्रस्तुत किए थे,सूचना का अधिकार अधिनियम स्पष्ट रूप से निर्धारित करता है कि मांगी गई जानकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराई जाए,लेकिन समय बीतता गया और सूचना नहीं मिली, जब निर्धारित अवधि में जानकारी नहीं मिली तो आवेदक ने प्रथम अपील का सहारा लिया।

डीईओ ने दिया आदेश,फिर भी नहीं मिली सूचना

मामले की सुनवाई के बाद जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने 30 जनवरी 2026 को आदेश जारी किया, आदेश में संबंधित जनसूचना अधिकारी हरेन्द्र सिंह को निर्देशित किया गया कि 10 दिनों के भीतर सूचना उपलब्ध कराई जाए,यानि 9 फरवरी 2026 तक जानकारी आवेदक को मिल जानी चाहिए थी,लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि आदेश जारी होने के महीनों बाद भी सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई,अब स्थिति यह है कि मूल आवेदन को 222 दिन और अपीलीय आदेश को 124 दिन से अधिक समय बीत चुका है, फिर भी सूचना का इंतजार जारी है।

क्या बीईओ कार्यालय में डीईओ के आदेश की कोई कीमत नहीं?

प्रकरण ने एक बेहद गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है, जब जिला शिक्षा अधिकारी स्वयं आदेश जारी कर चुके है तो फिर उसका पालन क्यों नहीं हुआ? क्या बीईओ कार्यालय में जिला शिक्षा अधिकारी के आदेशों की कोई अहमियत नहीं रह गई है? या फिर ऐसा कोई अदृश्य सुरक्षा कवच है जिसके कारण आदेश फाइलों में ही दम तोड़ देते है? शिक्षा विभाग के गलियारों में भी इस मामले को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई है,लोग पूछ रहे है कि यदि एक वैधानिक आदेश का पालन नहीं हो सकता तो फिर विभागीय अनुशासन का क्या अर्थ रह जाता है?

अनुस्मारक भी हुआ बेअसर

बताया जाता है कि 5 मई 2026 को आवेदक द्वारा अनुस्मारक भी प्रस्तुत किया गया, सामान्यतः अनुस्मारक मिलने के बाद विभाग सक्रिय हो जाते है, लेकिन यहां तो मानो चुप्पी ही प्रशासनिक नीति बन गई,न सूचना,न

सूरजपुर,06 जून 2026 (घटती-घटना)। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी को 222 दिनों तक लंबित रखने के मामले में प्रकाशित खबर का असर अब साफ दिखाई देने लगा है, जिस मामले में महीनों तक जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कोई ठोस पहल नजर नहीं आई,उसी मामले में समाचार के प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सक्रिय हो गया है,अब जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी सूरजपुर हरेन्द्र सिंह को सात दिनों के भीतर जानकारी उपलब्ध कराने का अल्टीमेटम जारी किया है।

दरअसल,आवेदक द्वारा 24 अक्टूबर 2025 को सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया था,निर्धारित समय सीमा बीतने के बाद भी जानकारी नहीं दी गई,इसके बाद प्रथम अपील दायर की गई और 30 जनवरी 2026 को जिला शिक्षा अधिकारी ने 10 दिनों के भीतर सूचना उपलब्ध कराने का आदेश भी जारी किया था,लेकिन आदेश जारी होने के चार महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई।

जब फाइलें नहीं चलीं...तब खबर चली...

कहावत है कि जहां फाइलों की रफ्तार थम जाती है, वहां खबरों की स्याही बोलने लगती है, इस मामले में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। 222 दिनों से लंबित सूचना और प्रथम अपीलीय आदेश की अनदेखी को लेकर जब मामला समाचार पत्र दैनिक घटती-घटना में प्रमुखता से प्रकाशित हुआ, तब प्रशासनिक तंत्र की सुस्ती पर सवाल खड़े हुए,खबर के माध्यम से यह तथ्य सामने आया कि सूचना का अधिकार कानून की निर्धारित समय-सीमा तो दूर,प्रथम अपीलीय अधिकारी के आदेश का भी पालन नहीं किया गया, मामला सार्वजनिक होने के बाद शिक्षा विभाग में हलचल बढ़ी और जिला शिक्षा अधिकारी को हस्तक्षेप करना पड़ा।

डीईओ ने माना मामला गंभीर

4 जून 2026 को जारी पत्र में जिला शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया कि प्रथम अपीलीय आदेश के बावजूद जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है,इसे गंभीर प्रशासनिक लापरवाही मानते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी सूरजपुर को निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह के भीतर वांछित जानकारी उपलब्ध कराकर जिला कार्यालय को अवगत कराया जाए,यह आदेश अपने आप में इस बात का संकेत है कि मामला अब केवल एक आरटीआई आवेदन तक सीमित नहीं रह गया है,बल्कि विभागीय जवाबदेही का विषय बन चुका है।

सवाल अब भी बरकरार

हालांकि ताजा आदेश जारी होने के बाद विभाग सक्रिय नजर आ रहा है,लेकिन कई सवाल अब भी जवाब मांग रहे हैं,यदि प्रथम अपीलीय आदेश का पालन नहीं हुआ तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है? चार महीने तक आदेश की समीक्षा क्यों नहीं हुई? और सबसे बड़ा सवाल यह कि आखिर ऐसी कौन सी जानकारी थी जो 222 दिनों तक आवेदक को नहीं दी गई? इन सवालों के जवाब अभी सामने आना बाकी हैं।

अब सात दिनों पर टिकी निगाहें...

फिलहाल पूरे मामले में अब निगाहें जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा दिए गए सात दिन के अल्टीमेटम पर टिकी हैं,यदि निर्धारित अवधि में जानकारी उपलब्ध करा दी जाती है तो यह माना जाएगा कि खबर के बाद प्रशासनिक कार्रवाई ने असर दिखाया,लेकिन यदि इस बार भी आदेश का पालन नहीं हुआ तो मामला और गंभीर रूप ले सकता है,फिलहाल इतना तो तय है कि 222 दिनों तक फाइलों में कैद रही सूचना अब सुर्खियों के दबाव में बाहर आने की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है,समाचार का असर हुआ है,लेकिन असली परीक्षा यह होगी कि सात दिन बाद जानकारी मिलती है या फिर एक और आदेश फाइलों के ढेर में खो जाता है।

पत्रकारिता की भूमिका फिर हुई साबित

यह पूरा घटनाक्रम एक बार फिर साबित करता है कि जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाली पत्रकारिता आज भी प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित कराने का प्रभावी माध्यम है, जिस सूचना के लिए आवेदक 222 दिनों से भटक रहा था,उसी मामले में खबर प्रकाशित होने के बाद विभागीय सक्रियता दिखाई देना अपने आप में बहुत कुछ कहता है,अब सभी की निगाहें अगले सात दिनों पर टिकी हैं,यदि जानकारी उपलब्ध हो जाती है तो यह माना जाएगा कि खबर ने असर दिखाया,लेकिन यदि इस बार भी आदेश का पालन नहीं हुआ तो सवाल केवल सूचना के अधिकार का नहीं रहेगा,बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की विश्वसनीयता का बन जाएगा,आखिर लोकतंत्र में सूचना जनता का अधिकार है,और अधिकार को महीनों तक फाइलों में बंद रखना किसी भी व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता।

लोकतंत्र में सूचना अधिकार...एहसान नहीं...

सूचना का अधिकार अधिनियम नागरिकों को शासन और प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का संवैधानिक माध्यम प्रदान करता है,लेकिन जब जानकारी देने में महीनों की देरी होती है,तब यह कानून की मूल भावना को कमजोर करता है,इस मामले ने एक बार फिर यह साबित किया है कि मीडिया की सतर्कता और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की भूमिका आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है,दैनिक घटती-घटना द्वारा मामले को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद जिस तरह विभाग हरकत में आया है, उससे यह स्पष्ट है कि जवाबदेही तय कराने में स्वतंत्र पत्रकारिता की भूमिका अब भी प्रभावी बनी हुई है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वनवासी कल्याण आश्रम में सामूहिक यज्ञ,पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,06 जून 2026 (घटती-घटना)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वनवासी कल्याण आश्रम, चैनपुर में सामूहिक यज्ञ एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रकृति संरक्षण, वृक्षारोपण तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संदेश देते हुए उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया,वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आयोजित यज्ञ में बड़ी संख्या में महिलाओं,सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक रीति-रिवाजों के साथ सामूहिक यज्ञ से हुआ। यज्ञ में शामिल लोगों ने पर्यावरण की शुद्धता,मानव कल्याण और विश्व शांति की कामना की,वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव पूजनीय माना गया है और पर्यावरण संरक्षण हमारी परंपरा का अभिन्न हिस्सा रहा है।

पर्यावरण संरक्षण मानव अस्तित्व का विषय- उजित नारायण सिंह- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य उजित नारायण सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज केवल सामाजिक दायित्व नहीं,बल्कि मानव अस्तित्व से जुड़ा गंभीर विषय बन चुका है, बढ़ते प्रदूषण,जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से प्रकृति का संतुलन लगातार प्रभावित हो रहा है,उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को वृक्षारोपण के साथ-साथ जल,जंगल और जमीन के संरक्षण के लिए भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

भारतीय संस्कृति में प्रकृति का विशेष महत्व- विनोद शुक्ला-समिति के विनोद शुक्ला ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति को देवतुल्य माना गया है, हमारे ऋषि-मुनियों ने यज्ञ, वृक्षारोपण और प्रकृति पूजन के माध्यम से समाज को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया, उन्होंने कहा कि यदि समाज सामूहिक रूप से प्रकृति संरक्षण के लिए आगे आए तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ,सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण उपलब्ध कराया जा सकता है।

पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की अहम भूमिका- महिला समिति अध्यक्ष भावना गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, महिलाएं घर-परिवार से लेकर समाज तक जल संरक्षण, स्वच्छता,पौधरोपण और संसाधनों के संतुलित उपयोग के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं,उन्होंने सभी महिलाओं से वर्षभर पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

बड़ी संख्या में शामिल हुए सामाजिक कार्यकर्ता एवं महिलाएं- कार्यक्रम में समिति के जगदम्बा अग्रवाल,नरोत्तम शर्मा,रामचरित द्विवेदी,महिला समिति उपाध्यक्ष उषा सिंह, सचिव राखी सिंह,सीमा शर्मा,ममता राणा,गंगा ताम्रकार सहित महिला समिति की पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे,सभी ने पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का लिया संकल्प-कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने, जल स्रोतों के संरक्षण,प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया, श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मंत्रोच्चार से ओतप्रोत इस आयोजन ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरण का प्रभावी संदेश दिया,विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और उन्हें व्यवहार में उतारने का प्रेरक प्रयास सिद्ध हुआ।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से दूरस्थ अंचलों में दूर हुआ पेयजल संकट

बंद पड़े सोलर पंपों की मरम्मत और नए मोटर पंपों की स्थापना से ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

-संवाददाता-
सूरजपुर,06 जून 2026 (घटती-घटना)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों और मार्गदर्शन से सूरजपुर जिले के दूरस्थ,पहाड़ी एवं जनजातीय क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा खराब पड़े सोलर पेयजल पंपों की मरम्मत तथा नए मोटर पंपों की स्थापना कर कई गांवों में पेयजल आपूर्ति बहाल की गई है, जिससे हजारों ग्रामीणों को राहत मिली है।

ओड़गी क्षेत्र के गांवों में बहाल हुई जल आपूर्ति

ओड़गी विकासखंड के ग्राम करौटी-ए (परसापारा), कोलुहा भाटपारा एवं बैजानपाठ में तकनीकी खराबी के कारण सोलर पेयजल योजनाएं प्रभावित थीं, मंत्री के निर्देश पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करते हुए इन गांवों में नए मोटर पंप स्थापित किए गए, इसके बाद बंद पड़े सोलर पंप पुनः चालू हो गए और ग्रामीणों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल मिलने लगा है।

भैयाथान और सूरजपुर विकासखंड में भी मिली राहत

भैयाथान विकासखंड के दतिमा आमापारा इंद्रावास एवं कसकेला औरापारा में खराब पड़े सोलर पंपों की मरम्मत कर पेयजल व्यवस्था को पुनः सुचारु किया गया, वहीं सूरजपुर विकासखंड के लटोरी कुशवाहापारा और मंजीरा फुलवारपारा में भी सोलर पंपों को

दुरुस्त कर जल आपूर्ति बहाल की गई है, इससे ग्रामीणों को पानी के लिए होने वाली परेशानियों से राहत मिली है।

भाटपारा में पंडो समुदाय को मिली विशेष राहत

चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के भाटपारा गांव में लंबे समय से पेयजल समस्या बनी हुई थी, यहां नया मोटर पंप स्थापित कर जल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है, इस पहल से विशेष रूप से पंडो समुदाय के परिवारों को लाभ मिला है, जिन्हें अब घर के समीप ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

अंतिम छोर तक सुविधा पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे लोगों तक मूलभूत सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है,उन्होंने कहा कि दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार निगरानी और त्वरित कार्रवाई की जा रही है,ताकि किसी भी ग्रामीण को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े।

ग्रामीणों ने जताया आभार

पेयजल व्यवस्था बहाल होने के बाद ग्रामीणों ने राज्य सरकार,मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है, ग्रामीणों का कहना है कि पहले उन्हें पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे महिलाओं और बच्चों को विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था,अब गांव में ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है।

जीवन स्तर सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था का सुदृढ़ होना केवल जल उपलब्धता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य, स्वच्छता और बेहतर जीवन स्तर से भी जुड़ा हुआ है, बंद पड़े सोलर पंपों को पुनः चालू करने और नए मोटर पंप स्थापित करने की यह पहल ग्रामीण जीवन को आसान बनाने के साथ-साथ जनजातीय अंचलों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मेनस्ट्रीम को टक्कर दे रहा रीजनल सिनेमा

41प्रतिशत फिल्मों ने बजट से 10 गुना ज्यादा कमाया

भारतीय सिनेमा में क्षेत्रीय फिल्मों का दबदबा बढ़ रहा है,जहां 41 प्रतिशत फिल्मों ने अपने बजट से 10 गुना या उससे अधिक कमाई की है। ये फिल्में अब मेनस्ट्रीम सिनेमा को कड़ी टक्कर दे रही हैं। सिनेमा का दौर धीरे-धीरे बदल रहा है। पहले यहां कॉमर्शियल फिल्मों को ही दर्शक मिलते थे या फिर यूं कह लें कि सफलता के रेट्स यहां हाई माने जाते थे। फिर धीरे-धीरे पैन इंडिया फिल्मों ने अपनी जगह बनाना शुरू किया। बाहुबली, आरआरआर, केजीएफ और पुष्पा जैसी फिल्में इसी का उदाहरण हैं।अब इन लिस्ट में रीजनल सिनेमा का नाम भी शामिल हो गया है। इस दौरान मल्टी सिनेमा का अचानक से उदय हुआ है। पहले जहां रीजनल सिनेमा को मेनस्ट्रीम इंडियन सिनेमा के सामने उतनी पहचान नहीं मिलती थी वहीं हालिया रिलीज कुछ फिल्मों ने इसे एकदम पलटकर रख दिया है।

रीजनल सिनेमा बन रहा अपनी जगह

41 प्रतिशत सफल क्षेत्रीय फिल्मों ने अपनी लागत से 10 गुना या ज्यादा कमाई की है। उदाहरण के लिए गुजराती फिल्म 'लालोः कृष्ण सदा सहायते को ही ले लीजिए। 50 लाख रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 112 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की थी। वहीं, मलयालम फिल्म लोका चैप्टर 1ः चंद्रा ने 30 करोड़ रुपए के बजट पर लगभग 300 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

रीजनल फिल्मों ने दिया बड़ा मुनाफा

वहीं दशावतार ने 12 करोड़ रुपये के बजट पर 28.47 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। निवेश के मुकाबले इसने 220 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया। यह फिल्म ऑस्कर 2026 के लिए एकेडमी अवॉर्ड्स की कटेंशन लिस्ट में जगह बनाने वाली पहली मराठी फिल्म भी बनी थी।सैकनिक ने अपनी एक रिपोर्ट में 17 सफल क्षेत्रीय फिल्मों का विश्लेषण किया है। इनमें 7 फिल्में ऐसी थीं, जिन्होंने 10 गुना या उससे ज्यादा रिटर्न दिया यानी लगभग 41त्न फिल्मों ने अपनी लागत का 10 गुना या उससे अधिक कमाया।

पाकिस्तान से आया वो बस कंडक्टर,रेलवे प्लेटफॉर्म से बना स्टार,ऑस्कर तक गूंजी सफलता

हिंदी सिनेमा का एक अभिनेता जो पाकिस्तान से भारत आया और फिर स्टार बन गया। इस अभिनेता ने दशकों तक इंडस्ट्री पर राज किया है।
एक ऐसा अभिनेता जिसने सिर्फ एक वादे के चलते एक बड़े डायरेक्टर की फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया था। किसे मालूम था कि अपनी शर्तों पर काम करने वाले वो अभिनेता आज हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े स्टार्स में से एक होंगे। हम बात कर रहे हैं पद्म श्री से सम्मानित अभिनेता सुनील दत्त की। 50, 60, 70, 80, 90 और 2000 के दशक तक.अभिनेता ने बड़े पर्दे पर अपने अभिनय की छाप छोड़ी। मगर उनके लिए पाकिस्तान से भारत आकर फिल्मी वर्ल्ड में अमिट छाप छोड़ने की जर्नी कभी भी आसान नहीं रही।

पाकिस्तान से आए थे अभिनेता

6 जून 1929 को ब्रिटिश इंडिया में पंजाब के झेलम (अब पाकिस्तान में) जन्मे सुनील दत्त का असली नाम बलराज दत्त था। वह तीन भाई-बहन में सबसे बड़े थे। वह सिर्फ 5 साल के थे,जबकि उनके पिता का निधन हो गया था और 18 की उम्र में उनके सामने ऐसी मुसीबत आ गई थी कि उन्हें अपने और अपने परिवार की जान बचाने के लिए इंडिया आना पड़ा।
दरअसल, जब सुनील दत्त 18 साल के थे, तब बंटवारे की वजह से हिंसा फैल गई थी। ऐसा कहा जाता है कि सुनील दत्त के पिता के एक मुस्लिम दोस्त ने उनकी जान बचाई थी और उन्हें सुरक्षित भारत भेजा था। इसके बाद वह अपने परिवार के साथ कभी हरियाणा गए तो कभी लखनऊ। आखिर में वह परिवार के साथ मुंबई में बस गए।

बस कंडक्टर के तौर पर किया था काम

मुंबई में उन्होंने अपनी आगे की पढ़ाई जारी रखी और इस दौरान घर चलाने के लिए उन्होंने छोटे-मोटे काम भी किए। एक बार उन्होंने एक इंटरव्यू में रिवील किया था कि उन्होंने बस कंडक्टर के रूप में काम किया था।

कैसे मिली सुनील दत्त को पहली फिल्म?

सुनील दत्त ने बस कंडक्टर के बाद रेडियो जॉकी के तौर पर भी काम किया। उनकी आवाज सुनकर ही एक बार डायरेक्टर रमेश सहगल उनके पास गए और अपनी फिल्म में कास्ट करने का ऑफर दे दिया। मगर उस वक्त सुनील दत्त कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे। उन्होंने अपनी मां से वादा किया था कि वह पढ़ाई पूरी करने के बाद ही एक्टिंग करेंगे। जब उनका कॉलेज खत्म हुआ, तब रमेश सहगल ने उन्हें अपनी फिल्म रेलवे प्लेटफॉर्म (1955) में लॉन्च किया और वह छा गए।

ऑस्कर में गई थी फिल्म

मगर सुनील दत्त को असली पहचान नरगिस दत्त की मदर इंडिया मूवी से मिली थी। यह फिल्म ऑस्कर रा में भी नॉमिनेट हो चुकी थी। इस फिल्म ने उन्हें स्टार बना दिया और फिर अभिनेता ने एक के बाद एक कई सुपरहिट फिल्मों से सिनेमा को नवाजा।

नाना पाटेकर और मधु का पुराना विवाद फिर वायरल

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अपनी दमदार और यूनिक एक्टिंग स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। अपने किरदारों में पूरी तरह ढल जाने वाले नाना पाटेकर ने हिंदी सिनेमा में कई यादगार भूमिकाएं निभाई हैं। हालांकि,उनके व्यवहार और सेट पर उनके रवैये को लेकर समय-समय पर अलग-अलग तरह के अनुभव भी सामने आते रहे हैं। इसी बीच अब अभिनेत्री मधु ने एक पुराना किस्सा साझा किया है, जो उनकी फिल्म यशवंत की शूटिंग से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। इस फिल्म में दोनों कलाकारों ने साथ काम किया था और यह फिल्म अपने समय में काफी चर्चा में रही थी।

मधु ने अपने इंटरव्यू में बताया कि शूटिंग के दौरान एक सीन की रिहर्सल या शूट के समय अचानक स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी। इसी दौरान नाना पाटेकर ने उन्हें थप्पड़ मार दिया था। यह घटना उस समय सेट पर मौजूद लोगों के लिए भी चौंकाने वाली थी। मधु के अनुसार, इस घटना के बाद उन्होंने भी तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए नाना पाटेकर को थप्पड़ मार दिया। यह पल सेट पर मौजूद सभी लोगों के लिए बेहद हैरान करने वाला था, क्योंकि आमतौर पर फिल्म सेट पर इस तरह की अप्रत्याशित घटनाएं कम ही देखने को मिलती हैं।हालांकि इस घटना के बाद क्या माहौल बना और शूटिंग कैसे आगे बढ़ी, इस पर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन यह किस्सा अब फिर से चर्चा में आ गया है और सोशल मीडिया पर भी इस पर लोग अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। नाना पाटेकर अक्सर अपने गंभीर स्वभाव और सख्त कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। कई को-स्टार्स उनके साथ काम करने के अनुभवों को लेकर अलग-अलग राय रखते हैं– कुछ लोग उन्हें बेहद प्रोफेशनल बताते हैं, जबकि कुछ उनके व्यवहार को कठिन भी बताते हैं।

वाराणसी की कहानी से उठा पर्दा, कुंभकर्ण बनेंगे पृथ्वीराज सुकुमारन?

एस.एस. राजामौली के पिता और लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने कहा कि यह सीन फैंस को मंत्रमुग्ध कर देगा। एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक बन गई है। इस बीच अब डायरेक्टर के पिता ने दर्शकों की एक्साइटमेंट को और ज्यादा बढ़ाते हुए कन्फर्म किया है कि इसमें रामायण से राम और कुंभकर्ण के बीच लड़ाई का सीन होगा।

राम और कुंभकर्ण के बीच होगी लड़ाई...

उन्होंने खुलासा करते हुए कहा कि यह सीन 30 मिनट का होगा जो फैन्स को हैरान कर देगा। जहां हमें पता है कि महेश बाबू राम का रोल निभाएंगे, वहीं यह अभी कन्फर्म नहीं हुआ है कि पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभकर्ण का रोल निभाएंगे या नहीं। एक इवेंट में राजामौली के पिता और राइटर विजयेन्द्र प्रसाद से उस 30 मिनट के सीन के बारे में पूछा गया, जिसका उन्होंने जिक्र किया था। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह पौराणिक है या पॉलिटिकल, तो राइटर ने कहा, यह राम और कुंभकर्ण के बीच की लड़ाई है...आपने ट्रेलर में देखा होगा, है ना? आपने राम और कुंभकर्ण को देखा। आपने भगवान हनुमान की पूंछ और उस पर एक रथ देखा। मैं उसी की बात कर रहा हूं... मंत्रमुग्ध कर देने वाला।

राजामौली ने बनाया महेशबाबू के लुक का वॉलपेपर

पिछले साल एक इवेंट में राजामौली ने कहा, पहले दिन, जब महेश फोटोशूट के लिए भगवान राम के गेटअप में आए, तो मेरे रोंगटे खड़े हो गए। मैं उलझन में था। महेश में कृष्ण जैसा आकर्षण है, लेकिन राम जैसी शांति भी है। फिर भी, मुझे भरोसा था। मैंने उस फोटो को अपना वॉलपेपर भी बनाया था और फिर उसे हटा दिया ताकि कोई उसे देख न सके। उन्होंने आगे कहा, हमने इस सीक्वेंस की शूटिंग 60 दिनों तक की और हाल ही में इसे पूरा किया। हर दिन एक चुनौती थी। हर एपिसोड और सब-एपिसोड अपने आप में एक फिल्म जैसा लगता था; हर चीज को नए सिरे से सोचना और प्लान करना पड़ा। उन सभी मुश्किलों को पार करने के बाद, हमने आखिरकार सीक्वेंस पूरा किया। मेरा मानना है कि यह मेरी और महेश की फिल्मों में सबसे यादगार सीक्वेंस में से एक होगा।

टाइम ट्रैवल पर आधारित है यह फिल्म

जब यह सीक्वेंस पहली बार रिलीज हुआ, तो फैंस ने अंदाजा लगाया कि फिल्म टाइम ट्रैवल पर आधारित है। राइटर के अपडेट के बाद फिल्म को लेकर उत्साह अब अपने चरम पर है। महेश और पृथ्वीराज के अलावा, फिल्म में प्रियंका चोपड़ा भी हैं और यह इंडियन सिनेमा में उनकी वापसी है। फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली है।

ठुकरा के मेरा प्यार सीजन 2 ओटीटी पर होगी रिलीज

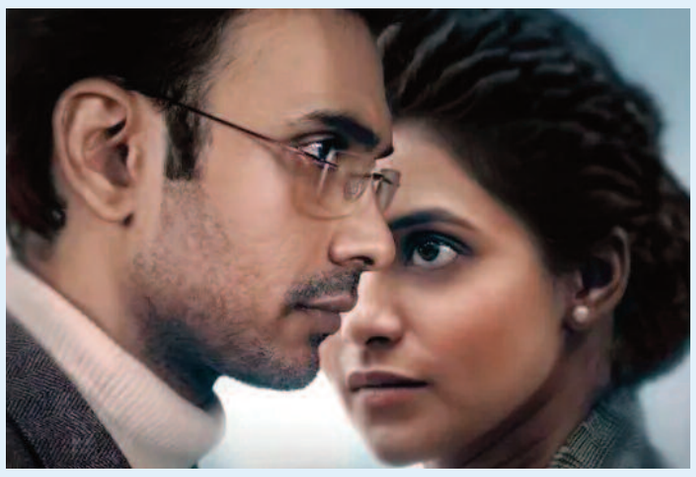

वापस आ रही इश्क,बदला और सत्ता की कहानी...

लोकप्रिय ड्रामा सीरीज ठुकरा के मेरा प्यार का दूसरा सीजन बहुत जल्द ओटीटी पर आने वाला है। यह सीजन प्यार, धोखे और बदले की कहानी को आगे बढ़ाएगा,जिसमें कुलदीप और शानविका की कहानी दिखाई जाएगी। लोकप्रिय ड्रामा सीरीज ठुकरा के मेरा प्यार अपने मच अवेटेड सीजन 2 के साथ वापसी कर रही है। इसके पहले सीजन में दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाली भावनात्मक और गहन कहानी को आगे बढ़ाएगी। प्यार,दिल टूटना,बदला और पर्सनल ट्रांसफॉर्मेशन जैसे विषयों के लिए जानी जाने वाली इस सीरीज ने ओटीटी दर्शकों के बीच एक मजबूत फैन बेस बनाया है। आइए जानते हैं फिल्म कब और किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज।

किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी कहानी?

अपकमिंग सीरीज 19 जून, 2026 से जियो हॉट स्टार पर प्रीमियर होने के लिए तैयार है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने एक्स पर सीरीज का ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, प्यार करना गलती थी या गलत इंसान से प्यार करना? हॉटस्टार स्पेशलिस्टः ठुकरा के मेरा प्यार सीजन 2, 19 जून से सिर्फ जियो हॉट स्टार पर स्ट्रीम हो रहा है।

क्या है सीरीज की कहानी?

सीरीज में कुलदीप की कहानी दिखाई गई है, जो एक मध्यम वर्गीय परिवार का लड़का है। उसे एक प्रभावशाली चौहान परिवार की लड़की, शानविका से प्यार हो जाता है। जब कुलदीप शानविका को शादी के लिए प्रपोज करता है, तो वह शुरू में मान जाती है और सब कुछ ठीक चल रहा होता है। हालांकि,जब शानविका के परिवार को कुलदीप के साथ उसके रिश्ते के बारे में पता चलता है,तो वह इससे इनकार करती है और दावा करती है कि कुलदीप ही उसके पीछे पड़ा है। इस विश्वासघात से कुलदीप का दिल टूट जाता है। कहानी तब आगे बढ़ती है जब वह शानविका की बेवफाई का बदला लेने का फैसला करता है।

खेल समाचार

ध्रुव जुरेल को मिली कप्तानी

आकिब नबी को भी जगह, श्रीलंका दौरे के लिए इंडिया ए टीम घोषित

इंडिया ए की टीम इस महीने के अंत में श्रीलंका दौरे पर दो अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेलेगी... इस दौरे के लिए टीम का ऐलान हो गया है...विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को कप्तानी मिली है...

नई दिल्ली,06 जून 2026। इंडिया ए की टीम श्रीलंका दौरे पर वनडे की ट्राई सीरीज के साथ ही अनऑफिशियल टेस्ट मैच भी खेलेगी। 25 से 28 जून के बीच पहला चार दिवसीय अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला जाएगा। वहीं दो जुलाई से दूसरे मुकाबले की शुरुआत होगी। इस सीरीज के लिए इंडिया ए टीम का ऐलान कर दिया गया है। टीम की कमान विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल के हाथों में रहेगी।

देवदत्त पडिक्कल उपकप्तान बनाए गए

ध्रुव जुरेल भारतीय टेस्ट टीम का प्रमुख बल्लेबाज बन चुके हैं। वह अफगानिस्तान के खिलाफ भी खेल रहे हैं। जुरेल श्रीलंका दौरे पर इंडिया ए की कप्तानी करेंगे। वहीं देवदत्त पडिक्कल को उपकप्तान की जिम्मेदारी दी गई है। साई सुदर्शन और रुतुराज गायकवाड़ को भी इस टीम में शामिल किया गया है। साई भारत के लिए टेस्ट में नंबर तीन पर खेल रहे हैं।

आकिब नबी को टीम में मिला मौका

रणजी ट्रॉफी में विकेटों की झड़ी लगाने वाले आकिब नबी को इंडिया ए टीम में जगह मिली है। 41 फर्स्ट क्लास मैचों में जम्मू-कश्मीर के नबी के नाम 156 विकेट हैं। उसके साथ यश ठाकुर, अंशुल कंबोज और गुरनूर बराड़ को तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मिली है। गुरनूर अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। कंबोज भारत के लिए पिछले साल इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट मैच खेल चुके हैं।

अनाधिकारिक टेस्ट मैच के लिए इंडिया ए की टीम :

ध्रुव जुरेल (कप्तान/विकेटकीपर), साई सुदर्शन, आयुष पांडे, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, सारांश जैन, गुरनूर बराड़, आकिब नबी, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, एन. जगदीसन (विकेटकीपर), अमन मोखड़े, शेख रशीद, जीशान अंसारी।

भारतीय टीम सी शक्ति मोनाको एनर्जी बोट चैलेंज 2026 में देश का प्रतिनिधित्व करेगी

नई दिल्ली,06 जून 2026। सस्टेनेबल मैरीटाइम इनोवेशन (समुद्री क्षेत्र में टिकाऊ नवाचार) के मामले में भारत एक अहम उपलब्धि हासिल करने जा रहा है। कोयंबटूर के कुमारगुरु कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी की टीम सी शक्ति प्रतिष्ठित मोनाको एनर्जी बोट चैलेंज 2026 में देश की एकमात्र प्रतिनिधि होगी। यह प्रतियोगिता 8 से 11 जुलाई तक मोनाको में आयोजित की जाएगी। याट क्लब डी मोनाको द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता क्लीन मरीन प्रोपल्शन टेक्नोलॉजी (स्वच्छ समुद्री प्रणोदन तकनीक) के लिए दुनिया के प्रमुख मंचों में से एक है। इसमें 22 देशों की 56 टीमें हिस्सा लेंगी। यह इवेंट उन छात्रों, इंजीनियरों, शोधकर्ताओं, निर्माताओं और शिपयार्ड्स को एक साथ लाता है जो समुद्री उद्योग को सस्टेनेबल एनर्जी (टिकाऊ ऊर्जा) की ओर ले जाने के लिए काम कर रहे हैं।

बेहद प्रतिस्पर्धी एनर्जी क्लास में हिस्सा ले रही टीम सी शक्ति,मोनाको एनर्जी बोट चैलेंज में भाग लेने वाली पहली और एकमात्र भारतीय टीम है। 2022 में बनी इस टीम ने एक इलेक्ट्रिक कैटामरन (दो पतवार वाली नाव) विकसित की है। टीम अपने इन-हाउस डिज़ाइन किए गए प्रोपल्शन सिस्टम को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, साथ ही नाव के कंपोजिट स्ट्रक्चर में बायो-बेस्ड फाइबर का इस्तेमाल कर रही है ताकि इसकी मजबूती,दक्षता और पर्यावरण के अनुकूल होने की क्षमता को बढ़ाया जा सके।

बीमारी के कारण अर्नाल्डी फ्रेंच ओपन के सेमीफ़ाइनल से बाहर,कोबोली फ़ाइनल में पहुँचे

पेरिस,06 जून 2026। माटेओ अर्नाल्डी को वायरल बीमारी की वजह से फ्लावियो कोबोली के खिलाफ रोलैंड गैरोस के सेमीफाइनल से हटना पड़ा। इसके चलते कोबोली फाइनल में पहुंच गए,जहां रविवार को उनका मुकाबला अलेक्जेंडर ज़्वेरेव से होगा। दुनिया के नंबर 34 खिलाड़ी ने बताया कि गुरुवार रात उन्हें अस्वस्थ महसूस होने लगा और बार-बार उल्टी होने लगी, जिससे वे कोर्ट फिलिप-चैट्रियर पर होने वाले इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले के लिए नहीं उतर सके।
अर्नाल्डी ने अपने साथी इटैलियन खिलाड़ी कोबोली के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में हटने की घोषणा की,जिससे पेरिस में उनका शानदार सफर समय से पहले ही खत्म हो गया। अर्नाल्डी को सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा; उन्होंने अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए चार मैचों में कुल 18 सेट खेले। क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दूसरे सेट के दौरान माटेओ बेरेटिनी के कूल्हे की चोट के कारण हटने के बाद इस इटैलियन खिलाड़ी ने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की थी। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल तक पहुंचने के सफर में कोर्ट पर कुल 17 घंटे 42 मिनट बिताए। 1991 में एटीपी टूर द्वारा मैच की अवधि का रिकॉर्ड रखना शुरू करने के बाद से, किसी ग्रैंड स्लैम के अंतिम चार में पहुंचने वाले किसी भी खिलाड़ी द्वारा बिताया गया यह सबसे अधिक समय है;उन्होंने पिछले रिकॉर्ड को 1 घंटे 58 मिनट से पीछे छोड़ दिया। अर्नाल्डी का हटना एक बड़े टूर्नामेंट में हुई एक दुर्लभ घटना भी थी। ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल चरण से हटने वाले आखिरी खिलाड़ी राफेल नडाल थे,जो चोट के कारण निक किर्गियोस के खिलाफ विंबलडन 2022 के सेमीफाइनल से पहले हट गए थे।

ज़्वेरेव ने मेन्सिक को हराकर फ्रेंच ओपन के फ़ाइनल में जगह बनाई

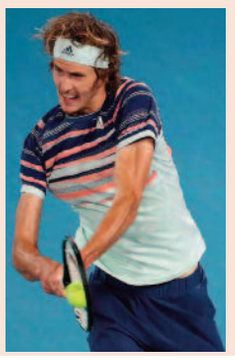

पेरिस,06 जून 2026। अलेक्जेंडर ज़्वेरेव ने रोलैंड गैरोस के फ़ाइनल में दूसरी बार जगह बनाकर अपने लंबे समय से चले आ रहे ग्रैंड स्लैम जीतने के सपने को पूरा करने से बस एक जीत दूर हैं। दूसरे सीड खिलाड़ी ने सेमीफ़ाइनल में चेक गणराज्य के उभरते हुए स्टार जैकब मेन्सिक को 7-5, 6-2, 3-6, 6-3 से हराकर शानदार और सधा हुआ प्रदर्शन किया। तीसरे सेट में 20 वर्षीय खिलाड़ी की ज़बरदस्त वापसी के बावजूद, ज़्वेरेव ने ज़्यादातर समय मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और रविवार को होने वाले चैंपियनशिप मैच में अपनी जगह पक्की की। इस जीत के साथ ही यह जर्मन खिलाड़ी अपने चौथे ग्रैंड स्लैम फ़ाइनल में पहुँच गया है। अब उनके पास अपने करियर का पहला बड़ा खिताब जीतने का एक और मौका है, जब वे खिताबी मुकाबले के लिए कोर्ट फिलिप-चैट्रियर पर उतरेंगे।

CMYK

छत्तीसगढ़ रेरा ने 595 प्रमोटर्स को थमाया नोटिस

कॉमन एरिया हस्तांतरण में लापरवाही पर एक्शन

रायपुर,06 जून 2026। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण ने रेरा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन और आवंटितियों के हितों की सुरक्षा के लिए बड़ी कार्रवाई करते हुए 595 प्रमोटर्स के 989 पूर्ण हो चुके प्रोजेक्ट्स को नोटिस जारी किए हैं। इन परियोजनाओं को पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है, लेकिन अब तक कॉमन एरिया, सुविधाओं और संबंधित दस्तावेजों का हस्तांतरण आवंटितियों की सोसायटी या एसोसिएशन को नहीं किया गया है।

प्राधिकरण की समीक्षा में पाया गया कि अनेक परियोजनाओं में प्रोजेक्ट पूर्णता अथवा अधिभोग के बाद भी प्रमोटर्स ने आवंटितियों की सोसायटी या एसोसिएशन का गठन सुनिश्चित नहीं किया तथा कॉमन एरिया और परियोजना प्रबंधन का विधिवत हस्तांतरण भी नहीं किया गया। इसके मद्देनजर रेरा अधिनियम, 2016 की धारा 11(4)(ई) एवं धारा 17 के तहत संबंधित प्रमोटर्स को नोटिस जारी किए गए हैं। सीजीरेरा ने स्पष्ट किया है कि अधिनियम के अनुसार प्रमोटर

का दायित्व है कि वह आवंटितियों की सोसायटी अथवा एसोसिएशन का गठन सुनिश्चित करे और परियोजना के सामान्य क्षेत्रों, सुविधाओं तथा अभिलेखों का समयबद्ध हस्तांतरण संबंधित संस्था को करे। प्राधिकरण ने यह भी बताया कि रेरा अधिनियम केवल प्रमोटर्स पर ही नहीं, बल्कि आवंटितियों पर भी कुछ वैधानिक दायित्व निर्धारित करता है। अधिनियम की धारा 19(9) के अनुसार प्रत्येक आवंटी का कर्तव्य है कि वह सोसायटी, एसोसिएशन या सहकारी समिति के गठन की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाए। सीजीरेरा ने सभी आवंटितियों से अपील की है कि वे अपने अधिकारों के साथ-साथ कानूनी दायित्वों के प्रति भी जागरूक रहें और सोसायटी गठन एवं परियोजना प्रबंधन हस्तांतरण की प्रक्रिया में सहयोग करें। प्राधिकरण द्वारा जारी नोटिस में संबंधित प्रमोटर्स को 15 दिनों के भीतर यह स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए हैं कि अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई अब तक क्यों नहीं की गई। निर्धारित समयावधि में जवाब प्रस्तुत नहीं करने अथवा संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने की स्थिति में संबंधित प्रमोटर्स के विरुद्ध रेरा अधिनियम, 2016 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। सीजीरेरा ने कहा है कि रेरा का उद्देश्य केवल परियोजनाओं का पंजीयन करना नहीं, बल्कि परियोजना पूर्ण होने के बाद आवंटितियों के अधिकारों की रक्षा, पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासित रियल एस्टेट व्यवस्था सुनिश्चित करना भी है। कॉमन एरिया और परियोजना प्रबंधन का समयबद्ध हस्तांतरण उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पुलिस ने नहीं देवेंद्र यादव ने खुद फाड़ा था अपना कुर्ता...

बिलासपुर,06 जून 2026। नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए प्रदर्शन के बाद भिलाई विधायक देवेंद्र यादव एक नए विवाद में घिरते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो ने राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है। वीडियो को लेकर दावा किया जा रहा है कि प्रदर्शन के दौरान जिस कुर्ते को पुलिस द्वारा फाड़े जाने का आरोप लगाया गया था, उसे विधायक स्वयं फाड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। दरअसल,एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के आवास का घेराव करने का प्रयास किया था। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी थी। घटना के बाद विधायक देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया था कि पुलिस कार्रवाई के दौरान उनका कुर्ता फाड़ दिया गया था। हालांकि अब सामने आए कथित वीडियो ने पूरे घटनाक्रम को नया मोड़ दे दिया है। वीडियो में विधायक खुद अपने कुर्ते को फाड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद विपक्षी दलों और सोशल मीडिया यूजर्स ने इस मुद्दे को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। इसी प्रदर्शन से जुड़े एक अन्य मामले में प्रशासन ने नियमों के उल्लंघन और

सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने के आरोप में सख्त रुख अपनाया है। जानकारी के अनुसार, प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश और बिना अनुमति कलेक्ट्रेट घेराव करने के मामले में सिविल लाइन थाना पुलिस ने विधायक देवेंद्र यादव समेत नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

भूपेश बघेल का आरोप....

बीजेपी नेताओं को ताश के पत्तों की तरह फेंटते हैं पीएम मोदी

रायपुर,06 जून 2026। भूपेश बघेल ने पीएम मोदी पर आरोप लगाते हुए कहा, प्रधानमंत्री जी ताश के पत्तों की तरह नेता फेंटते हैं और दूसरों को उपदेश देते हैं। प्रधानमंत्री जी को सबसे पहले हमें पेट्रोल और डीज़ल के बारे में बताना चाहिए। महंगाई की मार से पूरा हिंदुस्तान त्रस्त है। खाद और बीज का क्या हुआ? नीट परीक्षा के बारे में बताएं? सीबीएसई में गड़बड़ी,नीट परीक्षा में गड़बड़ी,ये सारी गड़बड़ियां हो रही हैं, देश बदहाल हो रहा है।

झारखंड के लिए भूपेश बघेल पर्यवेक्षक नियुक्त

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने झारखंड में आगामी राज्यसभा द्विवार्षिक चुनावों के लिए वरिष्ठ नेताओं भूपेश बघेल और अजय शर्मा को पर्यवेक्षक नियुक्त करने की घोषणा की है। इस फैसले को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंजूरी दी। पर्यवेक्षकों की नियुक्ति 18 जून, 2026 को होने वाले राज्यसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों में एक महत्वपूर्ण कदम है। कांग्रेस ने अब तक दस राज्यों में आगामी राज्यसभा द्विवार्षिक चुनावों के लिए सात उम्मीदवारों की घोषणा की है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज वरिष्ठ नेताओं के साथ कर्नाटक से अपना नामांकन दाखिल किया, जिससे उनकी उम्मीदवारी की पुष्टि हुई। चुनावों में महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा में तीन उपचुनावों के साथ-साथ चौबीस द्विवार्षिक रिक्तियां भरी जाएंगी। नामांकन की अंतिम तिथि 8 जून है; जांच 9 जून को होगी; नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 11 जून है; और काउंटिंग 18 जून की शाम को होनी है। कांग्रेस की लिस्ट में कर्नाटक से मल्लिकार्जुन खड़गे, कर्नाटक से ही पवन खेड़ा,कर्नाटक से मंसूर अली खान,मध्य प्रदेश से मीनाक्षी नटराजन,तमिलनाडु से प्रवीण चक्रवर्ती, राजस्थान से नीरज डांगी और झारखंड से प्रणव झा शामिल हैं।

आपसी लड़ाई में फूटा सट्टा बम...सेवादल महासचिव का बेटा निकला सट्टा किंग, कांग्रेस नेता की शिकायत पर 9 गिरफ्तार

दुर्ग-भिलाई,06 जून 2026। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में ऑनलाइन गेमिंग एप की आईडी लेकर सट्टे का करोबार करने वालों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कांग्रेस के दो नेताओं के बीच मारपीट और गालीगलौज के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। छत्तीशगढ़ कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश महासचिव राजेश गुप्ता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल सिंह के बीच विवाद इतनी बढ़ गई कि मारपीट के बाद अनिल सिंह ने राजेश गुप्ता की पोल खोलते हुए एसपी से इसकी शिकायत कर दी। दरअसल,27 मई को पुलिस को शिकायत मिली कि राजेश गुप्ता और उसके पुत्र निशांत कुमार गुप्ता द्वारा ऑनलाइन सट्टे का कारोबार अन्य राज्यो में छिपकर किया जा रहा है और बेनामी सम्पत्ति अर्जित की जा रही है। राजेश गुप्ता पर पहले भी नकली नोट के कारोबार मामले में अपराध दर्ज किया गया था। फिलहाल राजेश गुप्ता फरार हैं। कांग्रेस नेता अनिल सिंह की शिकायत के बाद पुलिस टीम ने छावनी थाना क्षेत्र कैम्प 2,निवासी राजेश गुप्ता के बेटे निशांत कुमार गुप्ता समेत 9 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से 23 लाख कीमत के 15 तोला सोना और अन्य दस्तावेज जप्त किये गए हैं। 9 में से 6 आरोपी जिला आजमगढ़ और मऊ के यूपी से हैं। बाकी अन्य दो आरोपी बिहार राज्य के हैं।

सुकमा में नक्सलियों का हथियार और डंप बरामद

इंसास और एसएलआर हथियार के कारतूस भी मिले,सरेंडर्ड नक्सलियों ने बताया था ठिकाना

सुकमा,06 जून 2026। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में किस्टाराम के कुम्माडोंग जंगल-पहाड़ी इलाके में पुलिस ने नक्सलियों के छिपाकर रखे गए हथियार,गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री का डंप बरामद किया है। बरामद सामग्री में एक इंसास रायफल सहित बड़ी मात्रा में कारतूस और विस्फोटक पदार्थ है। पुलिस के मुताबिक,जिले में लगातार सर्चिंग और एरिया डॉमिनेशन अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस को आत्मसमर्पण कर चुके पूर्व नक्सलियों से सूचना मिली थी कि,नक्सली संगठन ने कुम्माडोंग के जंगल क्षेत्र में हथियार और अन्य सामग्री छिपाकर रखी है।

सूचना के बाद मौके पर निकले जवान : सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम

ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जंगल और पहाड़ी क्षेत्र में तलाशी के दौरान जवानों को एक संदिग्ध स्थान मिला, जहां नक्सलियों ने हथियार और गोला-बारूद डंप कर रखा था। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए टीम ने मौके से सामग्री बरामद कर जब्त कर ली।

ये हथियार और सामान बरामद

बरामद सामग्री में एक इंसास रायफल, 49 इंसास सकारतूस, 12 एसएलआर कारतूस, 27 नग .303 कारतूस, 16 नग 8 एमएम कारतूस,7 मस्केट कारतूस और 7 नग 12 बोर कारतूस शामिल हैं। इसके अलावा दो बंडल कॉर्डेक्स वायर (करीब 30 मीटर), तीन इंसास मैग्जीन,6 वायरलेस सेल,एक पोच और एक स्टील का डिब्बा भी मिला है। पुलिस का मानना है कि नक्सलियों ने भविष्य में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने या सुरक्षा बलों के खिलाफ इस्तेमाल करने के उद्देश्य से इन हथियारों और सामग्री को जंगल में छिपाकर रखा था। जिसे फोर्स ने बरामद कर लिया है।

प्रधान आरक्षक का शव घर में फंदे पर मिला, पुलिस महकमे में शोक

खैरागढ़,06 जून 2026। जिले के पुलिस विभाग में उस समय शोक की लहर दौड़ गई जब छुईखदान थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक शीतल यादव अपने घर में मृत अवस्था में पाए गए। शनिवार तड़के उनका शव खैरागढ़ शहर के दाऊचौरा स्थित निवास में फंदे से लटका मिला। घटना की खबर फैलते ही पुलिस महकमे और स्थानीय क्षेत्र में स्तब्धता का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शीतल यादव अपने परिवार के साथ वार्ड क्रमांक 16 के दाऊचौरा इलाके में रहते थे। शुक्रवार रात परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने कमरों में सोने चले गए थे, जबकि वे घर के हॉल में मौजूद थे।

कॉल में तीन तलाक देने वाला पति रायपुर पुलिस की गिरफ्त में

रायपुर,06 जून 2026। विदेश में रहकर पत्नी को फोन पर तीन तलाक देने वाले आरोपी पति को रायपुर पुलिस ने नागपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शाहिद रजा को पकड़ने के बाद पुलिस टीम उसे रायपुर लेकर पहुंची। कार्रवाई के दौरान आरोपी ने पुलिस के साथ झूमाझटकी भी की। वहीं उसकी मां नाबालिग बच्ची को लेकर मौके से फरार हो गई, जिसकी तलाश की जा रही है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार राजातालाब निवासी सय्यद अजरा ताजी की शादी वर्ष 2008 में चौरसिया कॉलोनी निवासी शाहिद रजा से हुई थी। शादी के बाद दोनों के दो बच्चे हुए। कुछ वर्ष पहले शाहिद रोजगार के सिलसिले में कुवैत चला गया और वहीं एक निजी कंपनी में काम करने लगा। आरोप है कि विदेश जाने के बाद वह न तो घर लौटा और न ही पत्नी और बच्चों को अपने पास बुलाया। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले शाहिद ने कुवैत से फोन किया और बातचीत के दौरान गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने फोन पर ही तीन बार तलाक बोल दिया और इसके बाद पत्नी के रूप में स्वीकार करने से इंकार कर दिया।

रायपुर सेंट्रल बैंक के जोनल ऑफिस में लगी आग

अंदर जरूरी दस्तावेज और सामान रखे थे,शॉर्ट सर्किट की आशंका,फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

रायपुर,06 जून 2026। रायपुर में शनिवार सुबह 9 बजे बॉम्बे मार्केट इलाके में स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (सीबीआई) के जोनल ऑफिस में भीषण आग लग गई। बंद पड़े ऑफिस से अचानक धुआं उठता देखकर राहगीरों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी की सूचना पर मौके पर पुलिस अधिकारी पहुंचे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग लगने की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है,

हालांकि शॉर्ट सर्किट की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

दस्तावेज जले, नुकसान के आकलन में जुटा प्रबंधन : आग बैंक के जोनल ऑफिस में लगी है, ऐसे में महत्वपूर्ण दस्तावेजों और दफ्तर में रखे सामान को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। राहत की बात यह है कि घटना के समय ऑफिस बंद था,जिससे किसी जनहानि की सूचना सामने नहीं आई है। पुलिस और फायर विभाग आग लगने के कारणों की जांच में जुट गए हैं।

आग लगने वाला इलाका सील : तारकेश्वर पटेल

इस मामले में एडीसीपी मध्य तारकेश्वर पटेल ने कहा कि, सूचना मिलने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम रेस्क्यू में जुटी है। सुरक्षा की दृष्टि से आग लगने वाले इलाके को सील कर दिया गया था।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का अहम फैसला : पत्नी अब किसी भी जिले में ले सकेगी भरण-पोषण,अधिकार क्षेत्र को लेकर पतियों को राहत नहीं...

बिलासपुर,06 जून 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भरण-पोषण (मेंटेनेंस) से जुड़े मामलों में एक बड़ी कानूनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। हाईकोर्ट की एकलपीठ ने साफ कर दिया है कि पत्नी वर्तमान में जिस जिले में रह रही है, वह वहीं की फैमिली कोर्ट में अपने और बच्चों के भरण-पोषण का दावा पेश कर सकती है। सिर्फ इस आधार पर कोर्ट का क्षेत्राधिकार चुनौती नहीं दी जा सकती कि पत्नी का स्थायी पता या विवाह का स्थान अलग जिला है। न्यायमूर्ति बिभु दत्ता गुरु की एकलपीठ ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ के एक डॉक्टर द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए यह व्यवस्था दी है। मामला डॉक्टर की पत्नी और दो नाबालिग बेटियों द्वारा बिलासपुर फैमिली कोर्ट में दायर भरण-पोषण याचिका से जुड़ा था। डॉक्टर और महिला की शादी 16 मई 2019 को

हुई थी। महिला ने आरोप लगाया कि शादी के बाद उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया और पति के अपनी भाभी से अवैध संबंध हैं। इस मामले में पत्नी ने दिसंबर 2022 में सारंगढ़ थाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी। इसके बाद पत्नी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144 के तहत बिलासपुर फैमिली कोर्ट में भरण-पोषण की अर्जी लगाई।

डॉक्टर ने कोर्ट में उठाए थे सवाल.. डॉक्टर ने इस याचिका का विरोध करते हुए कहा कि उसकी पत्नी मूल रूप से सारंगढ़ की रहने वाली है और शादी भी वहीं हुई थी। ऐसे में बिलासपुर फैमिली कोर्ट को सुनवाई का अधिकार नहीं है। डॉक्टर ने तर्क दिया कि वह खुद शारीरिक रूप से अक्षम (पोलियो से पीड़ित) है और पत्नी उसे परेशान करने के लिए जानबूझकर बिलासपुर में केस चला रही है।

पत्नी के पक्ष में आए दस्तावेज.. सुनवाई के दौरान पत्नी ने कोर्ट को बताया कि वह वर्तमान में बिलासपुर के लगरा क्षेत्र में किराए के मकान में रह रही है। इसके समर्थन में उसने पते के वैध दस्तावेज भी कोर्ट में पेश किए। पत्नी ने स्पष्ट किया कि उसने कोई भी फर्जी दस्तावेज नहीं लगाए हैं।

रायपुर निगम ने यूजर चार्ज बढ़ाया...लोग बोले... व्यवस्था सुधारो,कहा...कचरा समय पर नहीं उठता, फिर अतिरिक्त शुल्क क्यों,कांग्रेस बोली...आंदोलन करेंगे

रायपुर,06 जून 2026। रायपुर नगर निगम ने घर-घर कचरा कलेक्शन का यूजर-चार्ज बढ़ा दिया है। जिससे घरों पर 120 रुपए और दुकानदारों पर 600 रुपए का सलाना अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है। अब इस फैसले के खिलाफ कांग्रेस, आम लोग और व्यापारी वर्ग आवाज उठा रहे हैं। लोगों के मुताबिक जब शहर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह सुधरी नहीं है, तब अतिरिक्त शुल्क वसूलना ठीक नहीं है। लोगों का कहना है कि, आज हालात ऐसे हैं कि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का घर चलाना मुश्किल हो गया है। रोजमर्रा की जरूरतों की चीजों से लेकर पेट्रोल-डीजल तक सब कुछ महंगा हो चुका है। जनता बढ़ती महंगाई से परेशान है। कांग्रेस इस बढ़ोतरी के खिलाफ तेलीबांधा तालाब पर हस्ताक्षर अभियान चलाकर सड़कों पर उतरी है। नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने इसे जनता के साथ अन्याय बताते हुए आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है और कहा कि यूजर चार्ज तभी लिया जाना चाहिए, जब निगम हर घर से नियमित कचरा कलेक्शन और बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करे।

दुर्ग के धान खरीदी केंद्र में लगी भीषण आग...100 क्विंटल से ज्यादा धान जलकर खाक, पराली जलाने से आग फैलने की आशंका

दुर्ग-भिलाई,06 जून 2026। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र स्थित कोड़िया धान खरीदी केंद्र में शनिवार को अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने तेजी से धान के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे 100 क्विंटल से ज्यादा धान जलकर खाक हो गया। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

अनुमान लगाया जा रहा है कि पास में ही पराली जलाने से यह आग धान संग्रहण केंद्र तक फैल गई थी। जिसकी वजह से यह नुकसान हुआ है। जानकारी मिलते

ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। आग इतनी तेज थी कि, उसे नियंत्रित करने में टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई घंटों की कोशिश और 5 गाड़ी पानी की मदद से आखिरकार आग पर काबू पाया गया।

ज्यादातर हिस्से में आग लगने से रोका गया...

स्थानीय लोगों के मुताबिक,आग लगने के समय खरीदी केंद्र में बड़ी मात्रा में धान रखा था। आग तेजी से फैलने के कारण नुकसान बढ़ गया। हालांकि,समय रहते फायर ब्रिगेड की कार्रवाई से आग को आसपास के हिस्सों तक पहुंचने से रोक लिया गया। अब प्रशासन आग लगने की वजह और नुकसान का आकलन कर रहा है।

दुर्ग कलेक्टर मौके पर पहुंचे...

घटना की सूचना मिलने के बाद दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया और अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। कलेक्टर ने नुकसान का आकलन करने और पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र सिंह ने बताया कि, फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। शुरुआती तौर पर किसी तरह के नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद रही और हालात पर नजर बनाए रखी।

मुख्यमंत्री साय ने ऐतिहासिक चतुर्भुज विष्णु मंदिर में की पूजा-अर्चना,प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना

रायपुर,06 जून 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत आज सक्ती जिले के जैजैपुर विकासखंड स्थित ग्राम ठठारी पहुंचकर ऐतिहासिक चतुर्भुज विष्णु मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री साय ने भगवान विष्णु से प्रदेशवासियों के सुख,समृद्धि,स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करते हुए छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए आशीर्वाद मांगा। यह प्राचीन मंदिर क्षेत्र की आस्था,संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। स्थानीय जनश्रुतियों के अनुसार यहां स्थापित भगवान विष्णु की प्रतिमा चौथी शताब्दी की मानी जाती है,जो इस स्थल की ऐतिहासिक महत्ता को और अधिक विशेष बनाती है। उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय लगातार प्रदेश के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। वे गांवों में पहुंचकर आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर शासन की योजनाओं के जमीनी

क्रियान्वयन,जनसमस्याओं और विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का प्रत्यक्ष फीडबैक ले रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री साय ग्राम ठठारी में आयोजित जनचौपाल में भी शामिल हुए,जहां उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा शासन की योजनाओं के लाभार्वितों से चर्चा कर व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित और संवेदनशील निराकरण के निर्देश दिए।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)